राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 248 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,05 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

संक्षिप्त समाचार

स्पेन निवासी छात्रा मारिया ने संस्कृत विवि में किया टॉप

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित संस्कृत विश्वविद्यालय से स्पेन निवासी छात्रा मारिया ने अव्वल स्थान पाकर सबको चकित कर दिया है। मारिया की इस उपलब्धि पर उन्हें स्वर्णपदक देकर राज्यपाल ने सम्मानित किया है। मालूम हो कि यह विश्वविद्यालय 21वीं सदी में भी देश को विश्व गुरू के रूप में आग बढ़ाने का कार्य कर रहा है। आज भी यहां पर हजारों की संख्या में विदेशी से छात्र अध्ययन करने के लिए आते है। स्पेन की मूल निवासी मारिया रूईस काशी से संस्कृत की पढ़ाई एवं मिमांसा में विशेषज्ञ बन कर अपने देश में एक आदर्श स्थापित करना चाहती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म की स्क्रीनिंग जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ओटीटी प्लैटफॉर्म्स की स्क्रीनिंग को जरूरी बताते हुए कहा कि इन प्लैटफॉर्म्स पर पोर्न तक दिखाया जा रहा है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि इस तरह के प्रोग्राम की निगरानी के लिए व्यवस्था की जरूरत है। इसके साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार को सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स के रेग्युलेशन को लेकर तैयार गाइडलाइंस को भी पेश करने को कहा। वेबसीरीज तांडव के खिलाफ चल रही जांच में इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ अमेजन की इंडिया हेड अपर्णा पुरोहित की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस अशोक भूषण ने कहा इंटरनेट और ओटीटी पर सिनेमा देखना आम हो गया है।

ममता महाशिवरात्रि पर भरेगी पर्चा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा के जय श्रीराम के आक्रामक उद्घोष के जबाव में अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सॉफ्ट हिन्दुत्व की राह पकड़ ली है। कहा जा रहा है कि भाजपा के श्रीराम के सामने ममता के शिव होंगे। दरअसल, भाजपा श्री राम के नाम पर लगातार ममता दीदी को घेरने की कोशिश करती आई है और यह दिखाने का प्रयास किया है कि वह श्री राम के खिलाफ हैं। भाजपा ने कई बार ममता दीदी और तृणमूल से सवाल भी पूछा है कि आखिर जय श्री राम के नारे से उन्हें दिक्कत क्या है मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ममता बनर्जी 11 मार्च को अपना नामांकन दाखिल कर सकती हैं और उन्होंने यह दिन इसलिए चुना है क्योंकि 11 तारीख को महाशिवरात्रि है।

कार्टून

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने लगवाई वैक्सीन की पहली डोज

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपराज्यपाल अनिल बैजल ने आज कोरोना का टीका लगवाया। इस दौरान उनके साथ परिवार के भी लोग मौजूद थे। बता दें कि कोविड वैक्सीनेशन अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत हो चुकी है। कोविड वैक्सीनेशन अभियान के दूसरे चरण के तहत 60 साल से अधिक उम्र के लोगों और 45-59 साल आयु वर्ग के ऐसे लोग गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हैं उन्हें कोरोना का टीका लगाया जा रहा है। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप-राज्यपाल अनिल बैजल ने कोरोना का टीका लगवाया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ उनके माता पिता भी कोरोना टीका लगवाने पहुँचे थे। वहीं, उपराज्यपाल अनिल बैजल के साथ उनकी पत्नी ने भी कोरोना का टीका लगवाया। माता पिता के साथ वैक्सीन लगवाने लोकनायक अस्पताल पहुँचे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कोविशिल्ड वैक्सीन लगाई गई। दरअसल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उम्र 52 साल है लेकिन वो 10 साल से ज्यादा समय से डायबिटीज के मरीज हैं इसलिए वैक्सीन लगवाने के पात्र हैं। वैक्सीन लगवाने के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज मैंने भी अपने माता-पिता के साथ एलएनजेपी अस्पताल में वैक्सीन लगवाई है, हमें किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। कोरोना से छुटकारा पाने के लिए अब वैक्सीन उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और देश की जनता से मेरी अपील है कि जो लोग भी वैक्सीन लगवाने के पात्र हों, आगे आकर वैक्सीन जरूर लगवाएं। वैक्सीन को लेकर पहले जो लोगों के मन में शंकाएं थी, वो अब शंकाएं खत्म हो चुकी हैं, अब डरने की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि हम लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है और उसके दिशा-निर्देश के अनुसार काम कर रहे हैं, अगर वैक्सीनेशन सेंटर बढ़ाने की जरूरत पड़ी, तो बढ़ाएंगे। अपनी पत्नी के साथ वैक्सीन लगवाने दिल्ली के तीरथराम अस्पताल पहुँचे उपराज्यपाल अनिल बैजल ने ट्वीट कर लिखा- आज मैंने कोविड-19 वैक्सीन की पहली डोज तीरथराम अस्पताल में लगवाई। वैक्सीनेशन के पात्र सभी लोगों से मेरी अपील है कि वो भी आगे आयें और कोरोना महामारी को हराने के लिये वैक्सीन लगवायें। आज सुबह करीब 10 बजे उपराज्यपाल कोरोना का टीका लगवाने तीरथराम अस्पताल पहुँचे थे जहां उन्हें कोविशिल्ड का टीका लगाया गया।

मुख्तार को उप्र नहीं भेजा जाएगा

नई दिल्ली, (संवाददाता)। पंजाब सरकार और गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार को उन्हें रूपनगर जेल से उत्तर प्रदेश के बांदा जेल में स्थानांतरित करने की मांग करने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर पंजाब सरकार और रूपनगर जेल प्राधिकरण को निर्देश देने की मांग की कि मऊ के विधायक अंसारी की हिरासत जल्द से जल्द जिला जेल बांदा को सौंपी जाए। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति आरएस रेड्डी की पीठ ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश सरकार और अंसारी की याचिका पर फैसला सुनाएगी।

अंसारी ने अपने खिलाफ मामलों को उत्तर प्रदेश के बाहर स्थानांतरित करने की मांग की है। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने जेल नियमों का हवाला दिया और कहा कि भले ही राज्य के पास मौलिक अधिकार नहीं है, लेकिन वह मुद्दे और पीड़ितों के अधिकारों का समर्थन कर सकता है और पीड़ित की भूमिका ले सकता है। उन्होंने कहा कि यह कहना कि राज्य के पास मूलभूत अधिकार नहीं हैं, गलत है क्योंकि राज्य हमेशा पीड़ित और समाज की भूमिका का निर्वहन कर सकता है। मेहता ने कहा कि अंसारी ने जेल नियमों का उल्लंघन किया और पीड़ितों के अधिकार तथा राज्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और आरोपी को निष्पक्ष सुनवाई बाधित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। अंसारी की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि विपक्ष की एक पार्टी से जुड़े होने के कारण उसको निशाना बनाया जा रहा है। रोहतगी ने कहा कि अंसारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न अदालतों में पेश हो रहे हैं और बकवास तर्क दिए जा रहे हैं कि सुनवाई बाधित हो रही है। उन्होंने कहा, मैं उत्तर प्रदेश से बाहर मामलों को स्थानांतरित करने का अनुरोध करता हूं।

तापसी पन्नू और अनुराग कश्यप के खिलाफ इनकम टैक्स की कार्रवाई जारी, अभी तक 7 लॉकर्स पर पाबंदी

मुंबई, (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू, फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप सहित फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कुछ लोगों, कंपनियों पर बुधवार को इनकम टैक्स के छापे पड़े थे। गुरुवार को भी मामले में आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है, आज आईटी अफसरों ने अनुराग कश्यप, तापसी पन्नू का बयान दर्ज किया। इसके अलावा आयकर विभाग ने कुछ लॉकर्स पर पाबंदी लगा दी है। आयकर विभाग के अधिकारी गुरुवार को तापसी पन्नू और अनुराग कश्यप का बयान वेस्टिन होटल में ये दर्ज किया है। आयकर विभाग द्वारा सभी के फोन ले लिए गए हैं, पूछताछ के दौरान क्रू-मेंबर और अन्य स्टाफ भी मौजूद हैं। सर्च अभियान के दौरान आयकर विभाग के अधिकारी सभी डिजिटल डिवाइस का बैकअप रख रहे हैं। इसके अलावा व्हाट्सएप चैट का भी बैकअप लिया जा रहा है, जिसके बाद उसकी जांच होगी। सर्च पूरी होने के बाद अगर किसी सामान को जब्त करना है,तब वहां भी होगा। आईटी सूत्रों की मानें, उन्हें सर्च ऑपरेशन के दौरान पुख्ता सबूत मिले हैं।आयकर विभाग ने अभी तक 7 लॉकर्स पर पाबंदी है, यानी मालिक इन्हें अभी नहीं खोल पाएंगे। जानकारी के मुताबिक, फैंटम फिल्म्स अभी भी काम कर रही है, इस बारे में बयान भी दर्ज किया गया है।

कृषि व ग्रामीण क्षेत्र की मजबूती व प्रगति पर सरकार का फोकस : तोमर

नई दिल्ली, (संवाददाता)। एशिया पैसिफिक रूरल एंड एग्रीकल्चर क्रेडिट एसोसिएशन (अप्राका) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित क्षेत्रीय नीति फोरम की बैठक का उद्घाटन गुरूवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायत राज तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। मंत्री तोमर ने कहा कि कृषि व ग्रामीण क्षेत्र की मजबूती व प्रगति पर भारत सरकार का पूरा फोकस है। इसके लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं व कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जो छोटे किसानों के लिए काफी लाभकारी हैं। अप्राका 24 देशों का संघ है,जिसमें इन देशों के केंद्रीय बैंक, नियामक प्राधिकरण, एआरडीबी, सहकारी बैंक महासंघ, वाणिज्यिक बैंक, कृषि वित्त से जुड़ी सरकारी एजेंसियां आदि 87 संस्थाएं सदस्य है।

अप्राका का उद्देश्य विभिन्न विकासात्मक बैंकों, केंद्रीय बैंकों, कृषि व ग्रामीण विकास से जुड़ी अन्य एजेंसियों में कृषि को बढ़ावा देने के लिए बेहतर समझ, क्रॉस लर्निंग व सहयोग विकसित करना हैं।

केरल में श्रीधरन बने भाजपा के सीएम चेहरा

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी खबर आ गई है। हाल ही में राजनीति में आए मेट्रो मैन ई श्रीधरन राज्य में भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा होने जा रहे हैं। उन्होंने बीती 25 फरवरी को बीजेपी की सदस्यता ली है। गुरुवार को उन्होंने कहा कि वे दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन से इस्तीफा देने के बाद ही चुनाव नामांकन दाखिल करुंगा। पार्टी में उनके शामिल होने के साथ ही सीएम पद के कयास लगाए जाने लगे थे।

देश भर में मेट्रो मैन के नाम से मशहूर ई श्रीधरन केरल से मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया गया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने इसकी घोषणा की है। वे फिलहाल पूरे राज्य में राजनीतिक दौर पर हैं। उन्होंने कहा पार्टी जल्द ही दूसरे उम्मीदवारों की सूची भी जारी करेगी। गुरुवार को श्रीधरन ने कहा कि उन्होंने अभी तक सीट का फैसला नहीं किया है। वे कहते हैं मैं किसी भी सीट से लड़ने के लिए तैयार हूं, मेरी जीत पक्की है। मुझे पक्का भरोसा है कि बीजेपी सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा मैं ऐसी सीट से चुनाव लड़ना चाहता हूं, जो मलप्पुरम में पोनानी से दूर न हो। जहां मैं रहता हूं। उन्होंने पहले भी राज्य में सीएम पद की इच्छा जाहिर की थी। खास बात है कि वाम दल के शासन वाले राज्य में बीजेपी श्रीधरन की मदद से दक्षिण भारतीय प्रदेश में एंट्री की कोशिश कर रही है। राज्य में 140 सीटों पर चुनाव होने हैं।

श्रीधरन ने ऐलान कर दिया है कि डीएमआरसी की वर्दी में गुरुवार को उनका आखिरी दिन है। उन्होंने चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। सरकार ने श्रीधरन को पलरीवोट्टम फ्लायओवर प्रोजेक्ट का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया था। इस भी राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। आखिरी निरीक्षण के बाद श्रीधरन ने कहा कि वे विधायक या दूसरे किसी पद पर रहते हुए प्रोजेक्ट के देखरेख करता रहूंगा। उन्होंने कहा भले ही मैं आता हूं, मैं इस वर्दी में नहीं रहूंगा। यह तय हो कि मुझे इन प्रोजेक्ट्स की देखरेख करनी होगी। उन्होंने कहा विधायक या दूसरा कोई भी पद हो, जब कम चल रहा होगा, तो मुझे जरूर देखरेख करनी पड़ेगी।

सौभाग्य है कि भारत में हूं : वित्तमंत्री

नई दिल्ली, (संवाददाता)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कोरोना वायरस की वैक्सीन लगवा लीं हैं। वित्त मंत्री को दिल्ली के वसंत कुंज में स्थिति फोर्टिस अस्पताल में कोरोना वायरस टीके की पहली डोज दी गई। कोरोना टीका लगवाने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उन्हें भारत में होने पर गर्व है। कोरोना का टीका लगवाने के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने ट्वीट कर कहा कि उन्होंने आज सुबह कोरोना वायरस की वैक्सीन लगवाई है। मेरा साथ देने के लिए बहन राम्या पीसी को धन्यवाद। उन्हें भारत में होने पर गर्व है, जहां टीके का विकास और इसकी उपलब्धता त्वरित व किफायती तरीके से हुई है। भारत में कोरोना वायरस टीकाकरण का दूसरा चरण 2 मार्च से शुरू हो गया है। दूसरे चरण की पहली वैक्सीन खुद पीएम मोदी ने लगवाई थी। जिसके बाद से कई केंद्रीय मंत्री और सत्ताधारी पार्टी और विपक्ष के नेता वैक्सीन लगवा चुके हैं। गुरुवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के नेता मनमोहन सिंह और उनकी पत्नी ने भी कोरोना की वैक्सीन लगवाई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने बुधवार को बताया कि सरकार ने कोरोना वायरस से शीघ्र निपटने के मकसद से टीकाकरण की गति तेज करने के लिए कोविड-19 टीका लगवाने संबंधी समय की बाध्यता हटा दी है और अब लोग अपनी सुविधा के अनुसार सप्ताह के किसी भी दिन और किसी भी समय टीका लगवा सकते हैं।

खट्टर सरकार धर्मान्तरण रोधी कानून लाने को तैयार

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार ने जबरन और लव जिहाद (धोखे से धर्मांतरण) रोकने के लिए भले ही कानून लाने की तैयारी कर ली है, लेकिन सरकार में मुख्य सहयोगी और उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने गुरुवार को यह स्पष्ट कर दिया कि वह लव जिहाद शब्द से सहमत नहीं है। दुष्यंत चौटाला ने कि वह लव जिहाद शब्द से सहमत नहीं हैं, जिसका उपयोग यह बताने के लिए किया जाता है कि मुस्लिम पुरुष हिंदू महिलाओं को प्रेम जाल में फंसाकर और उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर करते हैं।

दुष्यंत ने कहा कि हमें विशेष रूप से बलपूर्वक धर्मांतरण की जांच के लिए एक कानून मिलेगा और हम इसका समर्थन करेंगे। यदि कोई स्वेच्छा से धर्मांतरण करता है या किसी अन्य धर्म के व्यक्ति से विवाह करता है, तो कोई रोक नहीं है।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दुष्यंत चौटाला और उनकी जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) किसान आंदोलन पर भाजपा के साथ हैं। जानकारी के अनुसार, हरियाणा सरकार लव जिहाद रोकने के लिए विधानसभा के आगामी बजट सत्र में जबरन या छलपूर्ण धर्मांतरण के खिलाफ एक बिल लाएगी। राज्य के गृह मंत्री अनिल विज ने बीते दिनों इसकी घोषणा की थी। राज्य विधानसभा का बजट सत्र पांच मार्च से शुरू हो रहा है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने बल या धोखाधड़ी के माध्यम से किए जाने वाले धर्मांतरण के खिलाफ एक मसौदा अध्यादेश को मंजूरी दे दी। हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने 2019 में अवैध धर्मांतरण के खिलाफ एक विधेयक पारित किया था। पिछले साल नवंबर में विज ने लव जिहाद के खिलाफ एक कानून का मसौदा तैयार करने के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की थी। हरियाणा में धर्मांतरण रोधी कानून की रूपरेखा बनाने के लिए गठित समिति में टी एल। सत्यप्रकाश, नवदीप सिंह विर्क और दीपक मनचंदा शामिल हैं।

नंदीग्राम से ममता के खिलाफ चुनाव लड़ने की कह कर शुभेंदु ने मुकाबला बनाया रोचक

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में होने विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सबसे हॉट सीट बनने जा रही है। दरअसल टीएमसी से बीजेपी में शामिल हुए शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। बता दें कि शुभेंदु अधिकारी की टक्कर राज्य की सीएम ममता बनर्जी से होना, अब तय माना जा रहा है। इसके पहले ममता बनर्जी ने जनसभा के दौरान नंदीग्राम से विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। इसके बाद बंगाल विधानसभा चुनाव की नंदीग्राम सीट पर अब हर किसी की नजर है। पहले खबर आई थी कि एक समय में ममता बनर्जी के करीब रहे शुभेंदु अधिकारी कांथी से चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन कांथी से शुभेंदु के भाई द्विवेंदु अधिकारी विधानसभा चुनाव लड़ने वाले है। इसी तरह दिलीप घोष को खड़गपुर से चुनाव लड़ाने पर पुनर्विचार किया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य कारणों से इस बार मुकुल राय चुनाव में खड़े नहीं हो रहे हैं।

हाल ही में तृणमूल कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि मैं ममता बनर्जी को नंदीग्राम से हराने को तैयार हूं। अगर पार्टी मुझे नंदीग्राम या किसी और से नामांकन दाखिल करने की अनुमति देती है, तब नंदीग्राम से कमल खिलाने की जिम्मेदारी मेरी होगी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा पश्चिम बंगाल की जनता ने टीएमसी को सत्ता से बाहर करने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी किस तरह के दावे कर रही है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। पश्चिम बंगाल के लोगों ने डबल इंजन की सरकार को वोट देने का फैसला कर लिया है। इस बार के विधानसभा चुनाव में बीजेपी भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। ये अब तय होता दिखाई दे रहा है। मोदी जी और अमित शाह जी ने नारा दिया था, 2019 में हाफ और 2021 में साफ और अब यह होने जा रहा है।

पूर्वी अफगानिस्तान में मीडिया वर्करों पर आईएस ने किया था हमला, इंटेलीजेंस ग्रुप साईट ने दी जानकारी

काबुल। इस्लामिक स्टेट ने पूर्वी अफगानिस्तान में तीन महिला मीडिया वर्करों पर किए हमले की जिम्मेवारी ली। इंटेलीजेंस एजेंसी SITE के अनुसार, अफगानिस्तान में मौजूद आतंकी समूह ने कहा कि इसके लड़ाकों ने जलालाबाद के टेलीविजन स्टेशन की तीन महिला कर्मचारियों पर हमला किया था। एनिकास टीवी के लिए काम करने वाली इन तीनों महिलाओं की उम्र 18 से 20 साल के बीच थी। ये सभी अपने काम से लौट रहीं थीं।

महिला मीडियाकर्मियों पर हुए हमले की दो अलग-अलग घटनाओं में गोली मारकर हत्या कर दी गई। तीनों महिलाएं एक स्थानीय रेडियो और टीवी स्टेशन के लिए काम करती थीं। ये महिलाएं भारत और तुर्की के लोकप्रिय नाटकों को अफगानिस्तान की स्थानीय भाषा डारी और पश्तु में डब करती थीं। वहीं दो अन्य महिला पत्रकार शहनाज और सदिया काम के बाद घर लौट रही थीं, तब उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हमले में दो लोग घायल भी हुए हैं। इन घटनाओं की अभी तक किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। अफगानिस्तान दुनिया में पत्रकारों के लिए एक खतरनाक मुल्क माना जाता है। इन तीन हत्याओं के साथ ही अफगानिस्तान में पिछले छह महीने में 15 मीडियाकर्मियों की हत्या है चुकी है।

कमला हैरिस ने ऑस्ट्रेलियाई पीएम से बात की, चीन, भारत-प्रशांत पर सहयोग पर चर्चा की

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन से बात की और जलवायु परिवर्तन, चीन और म्यांमार द्वारा वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों पर सहयोग पर चर्चा की। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया गठबंधन की ताकत की फिर से पुष्टि की। व्हाइट हाउस ने बताया, 'उपराष्ट्रपति और प्रधान मंत्री ने जलवायु परिवर्तन, चीन, बर्मा, और अन्य क्षेत्रीय मुद्दों द्वारा प्रस्तुत वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों पर आगे सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।'

दोनों नेताओं ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भी और सहयोग करने का भी वादा किया। बयान में कहा गया, 'उन्होंने साथ काम करने के महत्व पर भी सहमति व्यक्त की। अन्य सहयोगियों के साथ, महामारी से आर्थिक सुधार को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों को आगे बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की गई। उपराष्ट्रपति और प्रधान मंत्री ने भारत-प्रशांत और उससे आगे अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया के सहयोग को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।'

इस महीने की शुरुआत में, कमला हैरिस ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से बात की थी। द न्यू यॉर्क पोस्ट ने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति द्वारा की गई हालिया कॉल कूटनीति में उनकी भूमिका को बढ़ाती है।

म्यांमार के अपदस्थ राष्ट्रपति विन मिंट पर लगे दो नए आरोप, एक फरवरी को हुए थे गिरफ्तार

नेपिता। म्यांमार के अपदस्थ राष्ट्रपति विन मिंट दो नए आरोपों का सामना कर रहे हैं। उनके वकील खिन मोंग जॉ ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। इसमें संविधान के उल्लंघन का आरोप शामिल है। इसके तहत उन्हें तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है। बता दें कि एक फरवरी को म्यांमार की सेना ने पिछले सप्ताह देश की निर्वाचित सरकार को हटाकर देश को अपने नियंत्रण में ले लिया था। इस दौरान सेना ने आंग सान सूकी और विन मिंट समेत अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर लिया था। विन मिंट कोरोनो वायरस प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के आरोपों का भी सामना कर रहे हैं। उनके वकील ने बताया कि पेशी की तारीख ज्ञात नहीं है।

वहीं, म्यांमार की अपदस्थ नेता आंग सान सूकी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश हुईं। उन पर दो और आरोप लगाए गए हैं, लेकिन समर्थकों का कहना है कि यह पूरी मनगढ़ंत हैं। पेशी के दौरान देश की पूर्व सर्वोच्च नेता पूरी तरह सेहतमंद लग रही थीं। सूकी ने अपने वकीलों से मिलने की इच्छा जताई है। अगली सुनवाई 15 मार्च को होगी। एक फरवरी को हुए तख्तापलट के बाद यह पहला मौका था जब सूकी को सार्वजनिक तौर पर देखा गया है।

आसियान की बैठक

बता दें कि म्यांमार में चल रहे राजनीतिक उथल-पुथल को लेकर एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशन (आसियान) के विदेश मंत्रियों का एक वीडियो सम्मेलन मंगलवार को हुआ। म्यांमार भी इसका सदस्य है। आसियान देशों के विदेश मंत्रियों ने अपदस्थ नेता आंग सान सूकी को रिहा करने और विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की अपील की।

देश में तख्तापलट के खिलाफ मंगलवार को भी लोकतंत्र समर्थक सड़क पर उतरे और जगह-जगह प्रदर्शन किया। इस दौरान यंगून में पुलिस ने भीड़ के तितर-बितर करने के लिए स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। वहीं पश्चिमी शहर काले में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग हुई। पूरे देश में सैन्य तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। इसमें अब तक 21 लोगों की मौत है। सेना तख्तापलट को नवंबर में हुए चुनावों में धांधली की बात कहकर सही ठहरा रही है। इस चुनाव में आंग सान सूकी की पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज की थी।

नियम सख्त होंगे : इस साल हज पर जाने से पहले वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट दिखाना पड़ सकता है, सऊदी सरकार कर रही है विचार

जेनेवा। इस साल हज यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कुछ सख्त नियमों का पालन करना पड़ेगा। इनमें से एक वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट भी है। सऊदी अरब के अखबार ओकाज ने सऊदी हेल्थ मिनिस्टर के हवाले से यह जानकारी दी है। मिनिस्टर के मुताबिक- इस साल हज यात्रा पर आने वाले सभी लोगों के लिए वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट मेंडेटरी किया जा सकता है। हमारी सरकार इस पर विचार कर रही है। जल्द ही इस बारे में फैसला लिया जा सकता है।

जुलाई के पहले नियमों का ऐलान होगा

सऊदी हेल्थ मिनिस्टर तौफीक अल राबिया ने कहा- हज यात्रा के इंतजामों के लिए कमेटी बनाई गई है। हज यात्रियों के वैक्सीनेशन को मेंडेटरी बनाने पर विचार किया जा रहा है। जुलाई के पहले नए नियमों का ऐलान किया जा सकता है। इस बारे में संबंधित स्टाफ को भी गाइडलाइन्स जारी की जाएंगी।

मक्का और मदीना के एंट्री पॉइंट्स पर हेल्थ वर्कर्स भी तैनात रहेंगे। मक्का और मदीना में ड्यूटी करने वाले सभी कर्मचारियों के लिए भी वैक्सीनेशन मेंडेटरी होगा। वैक्सीनेशन के बाद ही इनकी पोस्टिंग इन जगहों पर की जाएगी। सऊदी सरकार इस साल के आखिर तक अपनी 70त्न आबादी को वैक्सीनेट करने जा रही है। इसकी योजना पहले ही बनाई जा चुकी है।

20 लाख से ज्यादा लोग आएंगे: इस साल महामारी की वजह से हज यात्रा पर कम लोग आ सकते हैं। आमतौर पर हर साल यहां 20 लाख से ज्यादा हज यात्री आते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सऊदी सरकार इस साल कम यात्रियों को हज की मंजूरी देगी। पिछले साल मार्च में उमरा की रस्म सस्पेंड कर दी गई है। हालांकि, बाद में इसे सख्त गाइडलाइन्स के साथ मंजूरी दे दी। पिछले साल अक्टूबर से अब तक करीब पांच लाख लोग इन पवित्र स्थलों पर आ चुके हैं, लेकिन संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया।

देश में वैक्सीनेशन तेज

सऊदी हेल्थ मिनिस्ट्री ने जारी बयान में कहा- अब तक 8 लाख 85 हजार लोगों को वैक्सीनेट किया जा चुका है। देश में वैक्सीनेशन को आसान बनाने के लिए 259 सेंटर्स बनाए गए हैं। वैक्सीनेशन के लिए एक ऐप बनाया गया है। इस पर रजिस्ट्रेशन के बाद वैक्सीनेशन की डेट दी जाती है। मंगलवार को देश में 302 मामले सामने आए। इस दौरान पांच संक्रमितों की मौत भी हो गई। देश में मंगलवार को संक्रमितों का आंकड़ा 3 लाख 78 हजार हो गया।

बाइडेन को झटका:भारतीय मूल की नीरा टंडन के नाम पर सीनेट ने रोक लगाई

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट पार्टी के कुछ सांसदों ने उनका विरोध किया था

वाशिंगटन। 20 जनवरी को राष्ट्रपति बनने वाले जो बाइडेन को सियासी तौर पर पहला झटका लगा। भारतीय मूल की नीरा टंडन को उन्होंने व्हाइट हाउस की बजट डायरेक्टर नॉमिनेट किया था। उनके नाम पर पहले ही दिन से विवाद हो रहा था। अब सीनेट ने नीरा की नियुक्ति को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। इसके बाद बाइडेन ने खुद ही नीरा का नाम वापस ले लिया। इस पद के लिए उन्हें अब कोई अन्य व्यक्ति तलाशना होगा।

दोनों पार्टियों में विरोध

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीनेट में कई सांसदों ने टंडन के नॉमिनेशन पर सवालिया निशान लगाए थे। यह सिलसिला कई दिन से चल रहा था। मंगलवार को आखिरकार साफ हो गया कि अगर वोटिंग हुई तो टंडन की नियुक्ति को मंजूरी नहीं मिलेगी। इसके बाद बाइडेन ने खुद ही नीरा का नामांकन वापस लेने का फैसला किया। सबसे खास बात यह है कि खुद बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद नीरा के नामांकन पर ऐतराज जता रहे थे। बाइडेन ने एक बयान जारी कर कहा- नीरा खुद भी नामांकन वापस लेना चाहती हैं। मैं उनके फैसले का सम्मान करता हूं। अब वे व्हाइट हाउस के बजट एंड मैनेजमेंट डायरेक्टर पद की नॉमिनी नहीं हैं। मैं उनके अनुभव और काम करने के तरीके की इज्जत करता हूं। वे अब किसी दूसरे विभाग में अपनी सेवाएं दे सकती हैं। मैं उनका नॉमिनेशन वापस ले रहा हूं।

मुश्किल सिर्फ सियासी नहीं

बाइडेन ने सत्ता संभालने के बाद 1.9 ट्रिलियन डॉलर के कोविड रिलीफ फंड का ऐलान किया था। इसको अब तक सीनेट की मंजूरी नहीं मिली है। इस सदन में हालात ये हैं कि दोनों पार्टियों के पास करीब-करीब बराबर यानी 50-50 सीटें हैं। ऐसे में अगर रिपब्लिकन बाइडेन के इस पैकेज का समर्थन नहीं करते तो उन्हें दिक्कत हो जाएगी। रिपब्लिकन पार्टी की निकी हैले पहले ही साफ कर चुकी हैं कि वे इस पैकेज से संतुष्ट नहीं हैं।

टंडन के मामले में दिक्कत कहां

नीरा टंडन कई मामलों में पार्टी लाइन से अलग चलीं। सोशल मीडिया पर उनके पुराने पोस्ट्स को लेकर भी सवाल उठे। उन्होंने प्रोग्रेसिव बजट आईडियाज को लेकर भी सवालिया निशान लगाए थे। साउथ कैरोलिना की दो बार गवर्नर रहीं निकी हैले ने भी टंडन को गलत पसंद बताया था। निकी के मुताबिक- नीरा के पास अनुभव है। वे ओबामा और हिलेरी के साथ काम कर चुकी हैं, लेकिन उनकी नीतियां कई मामलों में देश के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती हैं।

ज्वालामुखी: इंडोनेशिया का माउंट सिनबुंग ज्वालामुखी भड़का, 16,400 फीट ऊंचा राख का गुबार

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में स्थित माउंट सिनबुंग ज्वालामुखी में भीषण विस्फोट हुआ। इससे आसमान में 16,400 फीट ऊंचाई तक राख के बादल छा गए। विस्फोट को देखते हुए लोगों को चेतावनी दी गई है कि वे ज्वालामुखी के 7 किमी दायरे में न जाएं। एक हफ्ते पहले ही यह ज्वालामुखी सक्रिय हुआ था। यह ज्वालामुखी 2010 के पहले तक 400 साल निष्क्रिय रहा था।

इंडोनेशिया में 120 सक्रिय ज्वालामुखी

इंडोनेशिया में मौजूद ज्वालामुखियों में से इस वक्त 120 सक्रिय हैं यह संख्या दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले ज्यादा है।

कोरोना दुनिया में: ब्राजील में एक दिन में 1641 मौतें, वैक्सीनेशन में इजराइल की मदद लेंगे डेनमार्क और ऑस्ट्रिया

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 11.52 करोड़ से ज्यादा हो गया। 9 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 25 लाख 59 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

ब्राजील में जुलाई के बाद सबसे ज्यादा मौतें

ब्राजील की हेल्थ मिनिस्ट्री द्वारा मंगलवार रात जारी आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार और मंगलवार के बीच यहां कुल 1641 संक्रमितों की मौत हो गई। यह जुलाई 2020 के बाद एक दिन में संक्रमण से मारे गए लोगों की सबसे ज्यादा तादाद है। 19 जुलाई को यहां एक ही दिन में 1595 लोगों की मौत हुई थी। सूत्रों के मुताबिक, बढ़ते संक्रमण और मौतों के चलते देश का हॉस्पिटल सिस्टम चरमरा गया है और सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती इन हालात को संभालने की है।

अमेरिका में हर वयस्क को वैक्सीन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि मई तक देश में इतनी वैक्सीन मौजूद होंगी कि हर वयस्क को वैक्सीनेट किया जा सकेगा। बाइडेन का यह बयान इस लिहाज से खास हो जाता है कि कुछ दिन पहले हेल्थ मिनिस्ट्री ने इसके लिए अगस्त तक का वक्त तय किया था। सीडीसी ने भी माना था कि अगस्त के पहले तक सभी वयस्कों को वैक्सीनेट कर पाना मुश्किल होगा। बहरहाल जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल शॉट वैक्सीन को मंजूरी मिलने के बाद अब माना जा रहा है कि वैक्सीन सप्लाई तेजी से हो सकेगी और जून तक पर्याप्त मात्रा में यह उपलब्ध होंगी।

इजराइल से मदद लेंगे ऑस्ट्रिया और डेनमार्क

ऑस्ट्रिया के चांसलर सेबेस्टियन कुर्ज ने साफ कर दिया है कि यूरोपीय देशों में वैक्सीनेशन की रफ्तार काफी धीमी है और इसकी वजह से खतरा बढ़ रहा है। अब इस समस्या से निपटने के लिए डेनमार्क और ऑस्ट्रिया ने इजराइल की मदद लेने का फैसला किया है। यूरोप में अब तक सिर्फ 7.5त्न आबादी को वैक्सीनेट किया जा सका है। इजराइल में यह आंकड़ा 52त्न जबकि ब्रिटेन में 31त्न है। यही वजह है कि यूरोप के कुछ देश इजराइल का मॉडल अपनाने पर फोकस कर रहे हैं। इजराइल सरकार ने भी भरोसा दिलाया है कि वो इन देशों की हर मुमकिन मदद करेगी।

शुद्धिकरण अभियान: चीन में न्यायपालिका, पुलिस में वफादारों की पहचान के लिए शुद्धिकरण मुहिम, ताकि जिनपिंग के खिलाफ आवाज न उठे

बीजिंग। चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग का कार्यकाल 2023 में पूरा होना है, लेकिन उन्होंने सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए शुद्धिकरण अभियान छेड़ दिया है। 8 साल से शीर्ष पद पर बने जिनपिंग की यह कवायद घरेलू सिक्योरिटी फोर्स के लिए गहरी चिंता का सबब बन गई है। 27 फरवरी को कम्युनिस्ट पार्टी ने ऐलान किया कि वह बहुप्रतीक्षित शुद्धिकरण अभियान छेड़ेगी।

इसमें कम्युनिस्ट पार्टी और शीर्ष नेता शी जिनपिंग के प्रति वफादारी नहीं रखने वाले लोगों की पहचान की जाएगी। सरकार नियंत्रित मीडिया ने इसे 1990 के बाद घरेलू सिक्योरिटी सिस्टम में चलाया जाने वाला सबसे बड़ा अभियान बताया है। इसके जरिये पुलिस, सीक्रेट पुलिस, न्यायपालिका और जेलों में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ये एजेंसियां पूरी तरह वफादार, खरी और विश्वसनीय हैं।

अधिकारी मानते हैं कि यह अभियान 1940 की शुरुआत में चले सुधार अभियान की तरह है। उस समय कम्युनिस्ट पार्टी के तत्कालीन नेता माओ ने नियंत्रण स्थापित करने के लिए व्यापक सफाई अभियान चलाया था। ये अहम है कि चीन में 1990 के बाद ऐसे ही एक और अभियान की जरूरत बताई जा रही थी। 2012 में सत्ता संभालने के बाद जिनपिंग ने भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़ी है। रक्षा पृष्ठभूमि वाले शक्तिशाली अफसरों समेत हजारों अफसरों को सजा दी गई।

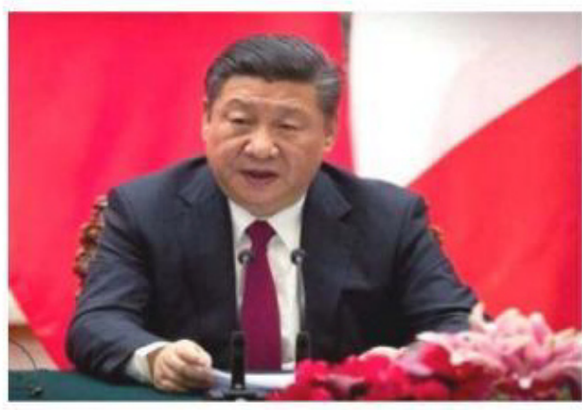

दशक का सबसे अहम राजनीतिक जमावड़ा, 10 साल का ब्लू प्रिंट जारी होगा

चीन की सबसे बड़ी सालाना राजनीतिक बैठक गुरुवार से शुरू होगी। इसमें 14वें पांच वर्षीय प्लान का खुलासा किया जाएगा और शी जिनपिंग के विजन-2035 पर भी चर्चा होगी। इससे देश में ऐसा माहौल बनाया जाएगा, जो जिनपिंग की तीसरी पारी का मार्ग प्रशस्त करेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में एसओएएस चाइना इंस्टीट्यूट के प्रो. स्टीव सांग के मुताबिक कम्युनिस्ट पार्टी में ही कई नेता नहीं चाहते कि जिनपिंग तीसरी बार चुने जाएं। लेकिन वे बहुमत में नहीं हैं।

माइनस 50 डिग्री पर फ्रोजन सिटी: रूस के वोरकुता शहर का 2013 से खाली पड़ा ये इलाका जमा, सुनसान पड़ी इमारतों में सिर्फ बर्फ ही बर्फ

वोरकुता। रूस के शहर वोरकुता से 17 किमी दूर बसा एक कस्बा इन दिनों जम सा गया है। यहां सर्दियों में पारा माइनस 50 डिग्री तक गिर जाता है। यही वजह है कि ये इलाका 2013 से खाली पड़ा है, क्योंकि असहनीय ठंड के चलते लोग यहां से जा चुके हैं। इन खाली इमारतों का हर कोना बर्फ से पटा हुआ है। सड़कों पर खड़े वाहन जमकर जड़ हो गए हैं।

रूस के वोरकुता से कुछ किमी दूर बसा ये इलाका यूरोप के सबसे ठंडे इलाकों में शामिल है। सर्दी की इंतेहां ऐसी कि हर चीज जम गई है। कभी यहां 70 हजार से ज्यादा लोग रहते थे। सर्दी के कारण अब ये वीरान हो चुका है।

एक समय इस इलाके में स्टालिन ने कैदियों को रखने के लिए गुलाग कैदखाना तक बनवा दिया था। शहर की सुनसान पड़ी इमारतों के अंदर के हालात भी डरावने हैं।ठंड के चलते ही इन घरों की हालत बेहद खराब हो चुकी है। खिड़कियां बर्फ से पूरी तरह जम चुकी हैं। ड्राइंग रूम में फर्नीचर से लेकर झूमर तक में बर्फ ही बर्फ है। कमरों से लेकर किचन की खिड़कियों तक बर्फ जम जाने से हवा का आना ही बंद हो गया है।सीढ़ियों से लेकर रेलिंग तक बर्फ से पटी हुई हैं। तस्वीरें इस बात की गवाह बन चुकी हैं कि भीषण सर्द के चलते ही यहां से इंसानों का पलायन हुआ होगा।

खाली आशियाने शायद यही कहते नजर आ रहे हैं कि वीरानगी से पहले हम भी आबाद थे।1932 के आसपास इस शहर को कोल माइनिंग हब के तौर पर जाना जाता था।

हालांकि, जब सोवियत संघ का विभाजन हुआ और इसके 15 टुकड़े हुए तो इस क्षेत्र में वीरानी छाने लगी।कोयला खदानों में काम करने वाले मजदूरों को काफी ज्यादा मजदूरी का लालच दिया गया, लेकिन वे यहां काम करने तैयार नहीं थे। नॉर्थ आर्कटिक सर्कल का यह चौथा सबसे बड़ा शहर है। यूरोप में सबसे ज्यादा सर्दी इसी इलाके में पड़ती है।

गरीब बच्चों के लिए दिल्ली के इस थाने में चलाई जा रही हाइटेक लाइब्रेरी

नई दिल्ली । दक्षिणी दिल्ली के आरके पुरम थाने में गरीब और पढ़ाई छोड़ देने वाले बच्चों के लिए हाइटेक लाइब्रेरी का संचालन किया जा रहा है। लाइब्रेरी का संचालन थाना प्रभारी राजेश कुमार करते हैं और बच्चों की पढ़ाई के क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठन शिखर भी उनकी सहायता करता है।

जनवरी में इस लाइब्रेरी का संचालन शुरू किया गया था। यहां गरीब बच्चे आकर पढ़ाई करते हैं। आरके पुरम के आसपास के गरीब इलाकों से बच्चे थाने आते हैं और अपनी पसंद के हिसाब से थाने की लाइब्रेरी में बैठकर किताबें पढ़ते हैं। बच्चों को किताब पढ़ने या कुछ समझाने में पुलिस अफसर भी मदद करते हैं। इस लाइब्रेरी को लेकर गोवा में एशिया पैसिफिक चैंबर आफ कामर्स की तरफ से इनोवेशन एजुकेशन की कैटेगरी में एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट से पुरस्कृत किया गया है। राजेश कुमार ने बताया कि लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ स्कूल छोड़ चुके बच्चों को दोबारा पढ़ाई के माहौल में लाना है। इस दौरान बच्चों की स्कूल की फीस की व्यवस्था भी की जाती है।

लाइब्रेरी में आनलाइन पढ़ाई प्रोजेक्टर और काउंसिलिंग के जरिये बच्चों को पढ़ाई कराई जाती है। लाइब्रेरी में 4300 से अधिक किताबें हैं। इनमें एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम और तैयारियों से संबंधित मैग्जीन शामिल हैं। इस लाइब्रेरी में पुलिस द्वारा पढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण, करियर काउंसलिंग के साथ-साथ पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में भी बुनियादी प्रशिक्षण दिया जाता है। बच्चों को रोजगारपरक शिक्षा के लिए विशेषज्ञों द्वारा काउंसिलिंग भी कराई जाती है। स्मार्ट क्लास की सुविधा वाली इस लाइब्रेरी में 100 छात्रों के बैठने की सुविधा है और रोजमर्रा की जानकारी के लिए दिल्ली से प्रकाशित अखबार भी मौजूद रहते हैं। थानाध्यक्ष राजेश कुमार के इस नेक कार्य की लोग हर जगह जमकर तारीफ हो रही है।

कृषि कानून विरोधी आंदोलन के समर्थन में मुनिरका पहुंचे जेएनयू छात्रों को लोगों ने बैरंग लौटाया

दक्षिणी दिल्ली। कृषि कानून विरोधी आंदोलन के समर्थन में बृहस्पतिवार को जेएनयू के 25-30 वामपंथी छात्र-छात्राएं अचानक मुनिरका गांव पहुंच गए और ढपली बजाकर, नारे लगाकर लोगों को कृषि कानून विरोधी आंदोलन का समर्थन करने की अपील करने लगे।

ये लोग गांव के लोगों को पर्चे बांट रहे थे और केंद्र सरकार के विरोध में नारे लगा रहे थे। पर्चे पर भी कृषि कानूनों के विरोध में सिंघु बार्डर समेत अन्य जगहों पर चल रहे आंदोलन का समर्थन करने की अपील लिखी थी। ढपली व नारेबाजी का शोर सुनकर भाजपा के आरके पुरम विधानसभा प्रभारी आनंद सिंह, भाजपा कार्यकर्ता विकास मुद्गल, मुनिरका मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र बंसल, के अलावा नरेंद्र शौर्य, संजय टोकस, कृष्ण टोकस, प्रदीप राय आदि मौके पर पहुंच गए।

इस बात को लेकर दोनों पक्षों में बहस होने लगी तो गांव के अन्य लोग भी आ गए। गांव के लोगों ने उनकी ढपली व नारे बंद करवा दिए और उन्हें चुपचाप जेएनयू कैंपस वापस जाने को कहा। गांव के लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रदर्शनकारियों ने वहां से वापस जाना ही बेहतर समझा। गांव के लोग इन्हें जेएनयू के गेट तक छोड़कर आए। गांव वाले तभी वापस लौटे जब सभी वामपंथी छात्र कैंपस के अंदर चले गए।

मालूम हो कि तीन कृषि कानूनों के विरोध में बीते तीन माह से अधिक समय से किसान आंदोलन कर रहे हैं। ये दिल्ली की सीमाओं पर धरना देकर बैठे हुए हैं। 26 जनवरी को आयोजित ट्रैक्टर रैली से पहले किसानों के आंदोलन में काफी भीड़ थी मगर लाल किले पर किए गए उपद्रव के बाद से इनकी संख्या कम होती चली गई। कुछ किसान संगठन इससे अलग भी हो गए थे।

पार्टी के बाद सैर पर निकले दो भाई, सड़क दुर्घटना में एक की मौत दूसरा घायल

नई दिल्ली । दिल्ली के द्वारका में एक सड़क दुर्घटना हो गई है। इसमें एक शख्स की मौत हो गई है और दूसरा गंभीर रुप से घायल है। देर रात हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं एक व्यक्ति घायल हो गया। मृतक का नाम आकाश राणा है। वहीं घायल का नाम राहुल राणा है। दोनों चचेरे भाई हैं। आकाश मूल रूप से हरियाणा के पानीपत स्थित ददलाना गांव के रहने वाले थे। आकाश व राहुल द्वारका में आयोजित होने वाले एक बीमा कंपनी के कार्यक्रम में शरीक होने के लिए बुधवार सुबह अपने साथियों के साथ गांव से दस बजे सुबह निकले थे।

कार गांव में ही रहने वाले इनके साथी की है। द्वारका स्थित ताज विवांता होटल में कार्यक्रम के बाद ये सैर के लिए होटल से निकले। कार आकाश चला रहे थे। दूसरी सीट पर राहुल बैठे थे। गांव से आए इनके अन्य साथी होटल में ही रुके थे। कार जब सेक्टर छह की लाल बत्ती पर पहुंची तो इनकी कार का सामना एक मर्सिडीज कार से हुआ।

यहीं पर जबरदस्त टक्कर से इनकी फोर्ड कार के परखच्चे उड़ गए। घटना की जानकारी मिलने पर फौरन पुलिस पहुंची तो कार से दोनों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां आकश को मृत घोषित कर दिया गया। उधर हादसे के बाद मर्सिडीज कार का चालक कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। छानबीन में पता चला कि कार किसी अजय कुमार नामक व्यक्ति के नाम पर है। अजय अपने स्वजन के साथ द्वारका में ही रहते हैं। कार का रजिस्ट्रेशन झारखंड में कराया गया है। मामले की तहकीकात जारी है। ददलाना गांव के लोगों ने बताया कि आकाश अपने पिता के इकलौते बेटे थे। इनकी एक बहन है जिनकी शादी हो चुकी है। ये अविवाहित थे। इनके पिता ब्रह्म सिंह राणा पानीपत रिफाइनरी में ठेकेदारी का काम करते हैं। आकाश के निधन की सूचना सुनकर पूरे गांव में शोक व्याप्त है। उधर, राहुल की हालत गंभीर बनी हुई है। वे अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। घटना का क्या कारण है, इसे लेकर फिलहाल न तो पुलिस और न ही पीड़ित पक्ष के स्वजन कुछ बोलने को तैयार हैं।

यूपी गेट पर भीड़ बढ़ाने के लिए जुगत लगा रहे प्रदर्शनकारी नेता

साहिबाबाद। तीन कृषि कानूनों के विरोध में 28 नवंबर से यूपी गेट पर धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों के माथे पर लगातार घट रही भीड़ के कारण चिंता की लकीरें दिखाई दे रही हैं। प्रदर्शनकारियों के नेता अब धरनास्थल पर भीड़ जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए वह तमाम तरह की जुगत लगा रहे हैं। ये लोग लगातार अलग-अलग स्थानों पर जाकर लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं और उनसे धरनास्थल पर आने की अपील कर रहे हैं। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत समेत संयुक्त किसान मोर्चा के अन्य नेता लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर रहे हैं। हालांकि उनकी अपील का कोई खास असर दिखाई नहीं दे रहा है। बता दें कि 26 जनवरी को दिल्ली में हुए उपद्रव के बाद से ही अधिकांश प्रदर्शनकारी धरना स्थल को छोड़कर चले गए थे। इसके बाद बढ़ती हुई गर्मी के कारण लोग अपने घरों को जा रहे हैं। यही कारण है कि धरनास्थल पर लगातार लोगों की भीड़ कम होती जा रही है। इसके साथ ही प्रदर्शनकारी नेता लगातार लोगों से धरनास्थल पर आने की अपील कर रहे हैं लेकिन उनकी अपील का कोई खास असर नहीं हो रहा है।

इसके चलते प्रदर्शनकारी नेता खासे परेशान लग रहे हैं। उधर आंदोलन के कारण हो रहे नुकसान को देखते हुए बीते सोमवार को किसान सड़क पर उतर आए थे। दिल्ली के गांव झाड़ौदा कलां के किसानों ने बार्डर खुलवाने की मांग करते हुए सुबह 10 बजे नजफगढ़-बहादुरगढ़ रोड स्थित मुंगेशपुर ड्रेन पुल पर चार घंटे जाम भी लगाया था और नारेबाजी की थी। इस दौरान उनके निशाने पर भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत रहे। उनका कहना था कि राकेश टिकैत की वजह से ही हम नुकसान सहने को मजबूर हैं। प्रदर्शन में शामिल मौजीराम ने बताया कि इस मसले पर झाड़ौदा कलां गांव को दिल्ली के सभी गांवों का समर्थन प्राप्त है।

दिल्ली की सर्दी झेलने के बाद अब गर्मी से भी निपटने की तैयारी में किसान

नई दिल्ली। दिल्ली की सीमा पर बीते तीन माह से धरना देकर प्रदर्शन कर रहे किसान ठंडक झेलने के बाद अब गर्मी से भी निपटने की तैयारी कर रहे हैं। दिल्ली में नवंबर-दिसंबर माह की भयंकर ठंड इन किसानों ने धरना स्थल पर ही काट दी, अब गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। किसान गर्मी से निपटने के लिए भी तैयारी कर रहे हैं। ठंड से बचने के लिए किसानों ने अपने ट्रैक्टर ट्राली को ही अपना आशियाना बना लिया था, इसके ऊपर तिरपाल, पॉलीथीन आदि लगाकर ठंड से बच रहे थे। अब इन किसानों से इसी तरह से गर्मी से भी बचने की तैयारी शुरू कर दी है। गर्मी से बचने के लिए किसान अपने ट्रैक्टर के ऊपर तिरपाल और पॉलीथीन को बदलकर अब वहां मच्छरदानी लगा रहे हैं जिससे गर्मी के दिनों में मच्छरों से बचाव कर सकें। ये किसान केंद्र सरकार द्वारा लाये गये नये कृषि क़ानूनों का विरोध कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि जब तक सरकार कृषि कानून वापिस नहीं लेगी, वो वापिस नहीं जायेंगे। इस बीच, मौसम की चुनौतियों से निपटने के लिए किसानों ने प्रदर्शनस्थलों पर पंखे, मच्छरदानियाँ, फ़्रिज और अन्य सामान लाने शुरू कर दिये हैं।

गुरूवार को टीकरी बॉर्डर पर गर्मी से तैयारियों का नजारा देखने को मिला। यहां पानी की सप्लाई के लिए बोरवैल किया गया है। गर्मी से बचने के लिए फ़्रिज लगा दिया गया है। ठंडक के लिए बांस की छोटी झोपड़ियां बनाई जा रही हैं। प्रदर्शन में शामिल होने अमृतसर से दिल्ली के लिए निकले किसानों ने अपने ट्रैक्टर ट्रॉलियों में मच्छरदानियां बांधी हुई हैं और मच्छर मारने की इलेक्ट्रिक मशीनें भी लगा रखी हैं। किसान मजदूर संघर्ष समिति के जनरल सेक्रेटरी सर्वन सिंह पंधेर ने बताया कि दिल्ली की गर्मी को देखते हुए जो जत्था वहां से चला है वो पूरी तैयारी के साथ निकला है। पहले हमने ठण्ड से बचने के लिए ट्रैक्टर की ट्रॉली पर तिरपाल चढ़ाई थी।

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी आप, ट्विटर पर पार्टी ने दी जानकारी

पार्टी के सीनियर नेता इन राज्यों का समय-समय पर दौरा भी करते रहे हैं। आम आदमी पार्टी पंजाब और गोवा में भी आगामी विधानसभा चुनाव पूरे दमखम के साथ लड़ेगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के अन्य राज्यों में पांव पसारने की कोशिश कर रही दिल्ली की सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी (आप) तमिलनाडु में होने जा रहे विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेगी। पार्टी ने तय किया है कि यहां पर कोई उम्मीदवार नहीं उतारा जाएगा। इसकी जानकारी आप ने ट्विटर पर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, आम आदमी पार्टी अभी उन राज्यों में चुनाव नहीं लड़ेगी जहां पर पार्टी का संगठन कमजोर है। फिलहाल अभी तक यह तय नहीं किया गया है कि किसी पार्टी को समर्थन दिया जाए या नहीं। बताया जा रहा है कि देश के जिन पांच राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी और तमिलनाडु में विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं आम आदमी पार्टी वहां पर अपना उम्मीदवार उतारने का फैसला नहीं किया है। बता दें कि तमिलनाडु में 6 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होगा जबकि वोटों की गिनती दो मई को की जाएगी। यहां पर विधानसभा की 234 सीटों पर एक ही चरण में चुनाव हो रहा है। तमिलनाडु में दिवंगत नेता जयललिता की पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेड़ कड़गम (एआईएडीएमके) की सरकार है। एआईएडीएमके और भाजपा मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि यहां की मुख्य विपक्षी पार्टी डीएमके है जो कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव मैदान में है। दरअसल, आम आदमी पार्टी उन राज्यों में संगठन को मजबूत बनाने में लगी है जहां पर 2022 में विधानसभा चुनाव होने हैं। आप उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में चुनाव लड़ने का पहले ही मन बना चुकी है। पार्टी के सीनियर नेता इन राज्यों का समय-समय पर दौरा भी करते रहे हैं। आम आदमी पार्टी पंजाब और गोवा में भी आगामी विधानसभा चुनाव पूरे दमखम के साथ लड़ेगी। आप पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा, यूपी और उत्तराखंड का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी फिलहाल इन राज्यों में खुद को मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

सिंघु बॉर्डर पर जुटे किसान प्रदर्शनकारियों को पंजाब ने दिया झटका

अब मिला हरियाणा का सहारा

नई दिल्ली । कृषि कानून विरोधी आंदोलन में लगातार माहौल बदलता जा रहा है। आंदोलन स्थल का नजारा देखकर अब संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं का रुख भी बदल गया है। 26 जनवरी को दिल्ली में हुए उपद्रव के बाद बॉर्डर पर पंजाब से आए अधिकांश आंदोलनकारी लौट गए और आंदोलन स्थल खाली हो गया था, लेकिन इसके बाद हरियाणा के विभिन्न जिलों और आसपास के ग्रामीणों ने मोर्चा को संभाला। इससे आंदोलन स्थल का नजारा ही बदल गया। बदलते माहौल को देखते हुए अब संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं के भी सुर बदलने लगे हैं। दिल्ली उपद्रव के बाद मोर्चा के जो नेता इसके लिए हरियाणा के लोगों को जिम्मेदार मानते थे, अब वही हरियाणा वालों की शान में कसीदे गढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि 26 जनवरी को ट्रैक्टर मार्च के दौरान दिल्ली में हुई हिंसा और लालकिले पर तिरंगे के अपमान के बाद कुंडली बार्डर का आंदोलन स्थल लगभग खाली हो गया था। इसके बाद संयुक्त

किसान मोर्चा के नेताओं को आंदोलन समाप्त होने का डर सताने लगा था। मोर्चा ने उस वक्त दिल्ली में हुई हिंसा के लिए हरियाणा के लोगों को जिम्मेदार ठहरा दिया था। मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य बलबीर सिंह राजेवाल ने तो मुख्य मंच से यहां तक कह दिया था कि हरियाणा वालों के बच्चे उनके बस में नहीं हैं। इससे उस वक्त लोगों में काफी नाराजगी थी, लेकिन इसके बाद राजेवाल ने एक वीडियो जारी कर इसके लिए माफी मांग ली थी। हालांकि इसके बाद राजेवाल कुंडली आंदोलन स्थल पर बहुत कम दिखे और मंच पर भी नजर नहीं आए। करीब एक माह बाद मंगलवार को वह फिर से मंच पर पहुंचे और हरियाणा के लोगों की जमकर तारीफ की। अब कुंडली आंदोलन स्थल से बार-बार अपील के बाद भी पंजाब से कम संख्या में लोग आंदोलन में शामिल हो रहे हैं, जबकि हरियाणा के गांवों से लोगों का आना-जाना जारी है। इसे देखते हुए कभी हरियाणा वालों पर वादाखिलाफी का आरोप लगाने वाले मोर्चा के नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने संबोधन के दौरान 26 जनवरी को हुई हिंसा का नाम लिए बगैर यह जरूर कहा कि जोश और गुस्से में युवाओं ने होश खो दिया था। इससे हमें एक गहरा झटका लगा, लेकिन हरियाणा के लोगों ने भाईचारा दिखाते हुए हमारा हाथ थामा और आज आंदोलन फिर से खड़ा हो गया है। आज यहां का आंदोलन हरियाणा के लोगों की वजह से ही इतनी मजबूती से चल रहा है।

दिल्ली में सिविल डिफेंड वालिंटयर ने खुद को गोली मारकर पुलिस को किया कॉल

नई दिल्ली । नेब सराय थाना क्षेत्र में दोस्त से मांगकर लाई गई पिस्तौल से फायर होने पर सिविल डिफेंसकर्मी ने खुद को बचाने के लिए पुलिस को झूठी सूचना दे दी। घटना की जांच में सच सामने आने के बाद पुलिस ने सिविल डिफेंसकर्मी और उसकी पत्नी पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित युवक का एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। युवक की पहचान सुजीत कुमार के रूप में हुई है। दक्षिणी दिल्ली जिले के पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 11 बजे नेब सराय थानाक्षेत्र के इंदिरा विहार इलाके में गोलीबारी की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को जानकारी मिली कि एक युवक सुजीत को गोली लगी है।

स्कूल आफ एक्सीलेंस 2020 पुरस्कार में जिला स्तर पर 13 स्कूलों का नाम चयनित

नई दिल्ली। राज्य स्तर पर दिए जाने वाले एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड 2020 में जिला स्तर पर दिल्ली के 13 स्कूलों का नाम चयनित हुआ है। वहीं, विकासपुरी स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय का नाम राज्य के उत्कृष्ट स्कूल के लिए और द्वारका सेक्टर 10 स्थित राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय (आरपीवीवी) को उत्कृष्ट आरपीवीवी के लिए चयनित हुआ है।

निदेशालय ने कक्षा सरकारी स्कूलों में कक्षा 12 में हर संकाय के कुल 99 छात्रों और कक्षा 10 के 27 छात्रों का नाम 90 फीसद से ज्यादा लाने के लिए चयनित किया है। इसके साथ ही आरपीवीवी के कुल पांच छात्रों को ये पुरस्कार मिलेगा। वहीं, स्कूल आफ एक्सीलेंस के कक्षा 12 के 10 छात्रों को और कक्षा 10 के दो छात्रों का नाम चयनित हुआ है। हालांकि, पुरस्कार बीते

साल ही दिए दिसंबर माह में दिए जाने थे लेकिन कोरोना महामारी के कारण पुरस्कार समारोह नहीं आयोजित हुआ था। शिक्षा निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक अभी इस सिर्फ पुरस्कार के लिए चयनित स्कूलों और छात्रों की सूची ही जारी की गई है।

ये पुरस्कार समारोह कब आयोजित किया जाएगा इस पर निर्णय लेना बाकी है। उल्लेखनीय है कि इस पुरस्कार के लिए दिल्ली के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय (आरपीवीवी) स्कूलों ने 21 नवंबर 2020 तक आनलाइन माध्यम से आवेदन करना था। इसके तहत हर साल प्रदेश के उत्कृष्ट स्कूल को

हालांकि, पुरस्कार बीते साल ही दिए दिसंबर माह में दिए जाने थे लेकिन कोरोना महामारी के कारण पुरस्कार समारोह नहीं आयोजित हुआ था।

मुख्यमंत्री पुरस्कार, हर जिले से एक उत्कृष्ट स्कूल को शिक्षा मंत्री पुरस्कार, हर जोन से एक उत्कृष्ट स्कूल को, हर क्षेत्र से उत्कृष्ट सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल को और सभी आरपीवीवी स्कूलों में एक उत्कृष्ट आरपीवीवी स्कूल को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इसके साथ ही सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और आरपीवीवी स्कूलों में पढ़ रहे हर संकाय के टापर छात्र को भी इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

दिल्ली आने पर नीलम कटारा को उपलब्ध कराई जाएगी सुरक्षा : पुलिस

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट को सूचित किया कि नीतीश कटारा की मां नीलम कटारा जब भी देहरादून से दिल्ली आएंगी उन्हें पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना की पीठ के समक्ष पुलिस ने कहा कि दिल्ली में रहने के दौरान नीलम कटारा जहां भी जाएंगी उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि, पुलिस ने कहा कि नीलम कटारा को दिल्ली आने से 72 घंटे पहले इस संबंध में ई-मेल के माध्यम से पुलिस को सूचित करना होगा। पीठ ने पुलिस की बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए नीलम कटारा की याचिका का निपटारा कर दिया। नीलम कटारा ने उत्तराखंड में सुरक्षा देने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। साथ ही दिल्ली आने पर यहां भी सुरक्षा उपलब्ध कराने का दिल्ली पुलिस को निर्देश देने की मांग की थी। नीलम कटारा की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता प्रदीप डे ने कहा कि पूर्वी दिल्ली के बजाए उनकी मुवक्किल को नई दिल्ली और मध्य दिल्ली में सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। दिल्ली पुलिस की तरफ से पेश हुए एडिशनल स्टैंडिंग काउंसल राजेश महाजन ने कहा कि उन्हें इसमें कोई आपत्ति नहीं है, बस नीलम कटारा को ई-मेल में इस बारे में जानकारी देनी होगी। वहीं, केंद्र सरकार ने पीठ को बताया था कि गृह मंत्रालय ने 19 नवंबर 2020 को उत्तराखंड सरकार को नीलम को सुरक्षा उपलब्ध कराने के संबंध में अनुरोध किया है। नीलम कटारा को वर्ष 2002 से सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। बता दें कि तीन अक्टूबर 2016 को सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा के सनसनीखेज अपहरण और हत्या के मामले में विकास यादव व उसके चचेरे भाई विशाल को 25 साल की जेल की सजा सुनाई थी। एक अन्य सह-दोषी सुखदेव पहलवान को भी मामले में 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। 16-17 फरवरी 2002 की रात को शादी की पार्टी से नीतीश कटारा का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी।

गौतम गंभीर ने एक साथ तीन बेटियों को पढ़ाने का खर्च उठाने की ली जिम्मेदारी

नई दिल्ली । बर्बरता की शिकार हुई खिचड़ीपुर की नौ साल की बच्ची के परिवार की तरफ सांसद गौतम गंभीर ने मदद का हाथ बढ़ाया है। गौतम गंभीर ने पीड़िता की तीनों बहनों की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की है। इसके अलावा सांसद ने पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त दीपक यादव को पत्र लिखकर फास्ट ट्रैक कोर्ट में इस मामले की सुनवाई कराने के लिए कहा है। बता दें कि बच्ची का अपहरण 23 फरवरी को किया गया था। तीन दिन बाद उसका मोदीनगर में बरामद हुआ था। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। दो दिन पहले गौतम गंभीर ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। परिवार की माली हालत ठीक नहीं है। ऐसे में उन्होंने परिवार की मदद का फैसला किया है। भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने कहा कि गौतम गंभीर फाउंडेशन परिवार की बाकी तीनों बच्चियों की पढ़ाई-लिखाई का पूरा जिम्मा उठाएगा। इसके साथ उन्होंने परिवार की काउंसलिंग कराने की भी बात कही है। गंभीर का कहना है कि इस मामले में आरोपितों के खिलाफ सख्त और जल्दी कार्रवाई होनी चाहिए। बता दें कि अभी हाल में ही पूर्वी दिल्ली के खिचड़ीपुर में तीन लोगों ने एक मासूम बच्ची का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी। बच्ची का शव मोदीनगर में मिला था। इस मामले में सभी आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बच्ची की हत्या के बाद परिजनों पर मानों दुखों का पहाड़ टूट गया। दरअसल कुछ समय पहले बीमारी से बच्ची के भाई की मौत हो गई थी। पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। घटना के बाद दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद सिसोदिया ने कहा था कि वह इस घटना से बेहद आहत हैं और इस केस को लड़ने के लिए बड़े से बड़े वकील को नियुक्त करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया था कि वह इस केस को फास्ट ट्रैक कोर्ट में ले जाएंगे ताकि दोषियों को शीघ्र सजा मिल सके। वहीं सीएम केजरीवाल ने भी ट्वीट कर दुख जताया था।

नौकरी से घर क खर्च पूरा नहीं हुआ तो कुख्यात गैंगस्टर के नाम पर मांगी दो करोड़ की रंगदारी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जनकपुरी के एक दवा व्यवसायी को धमकी देकर दो करोड़ रुपये मांगने वाले दो आरोपित को गिरफ्तार किया है। दोनों ने खुद को तिहाड़ जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर शक्ति बनकर व्यवसयायी से जल्द 2 करोड़ रंगदारी देने की मांग की थी अन्यथा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। दोनों कुछ महीने पहले तक जनकपुरी में दवा वयवसायी की दुकान के पास स्थित एक दवाई की दुकान पर काम करते थे। नौकरी से जीवन यापन ठीक से न चलने पर जल्द अत्यधिक पैसा कमाने के उद्देश्य से इन्होंने व्यवसायी से रंगदारी वसूलने की साजिश रची और प्रयागराज से दो मोबाइल व सिमकार्ड खरीदकर वारदात को अंजाम देने की कोशिश की। लेकिन ये अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाए। एडिशनल पुलिस कमिश्नर शिबेश सिंह के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम दीपक

सहरावत व सतीश कुमार है। दीपक गोल मार्केट का रहने वाला है। इसके पिता लेडी हार्डिंग अस्पताल में नौकरी करते थे। सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। उसके बाद दीपक ने गुरुग्राम से फार्मेसी में डिप्लोमा कर जनकपुरी में एक दवाई की दुकान पर नौकरी शुरू कर दी थी। वहीं पर शिकायकर्ता दवा व्यवासी की भी दुकान है। गोल मार्केट इलाके में रहने वाले गोलू उर्फ शैंकी गिरोह से दीपक काफी प्रभावित है। सतीश, महावीर एंक्लेव, उत्तम नगर का रहने वाला है। वैसे मूलरूप से यह प्रयागराज का रहने वाला है। लाकडाउन खत्म होने के बाद यह भी दिल्ली आ गया था और जनकपुरी में दीपक के साथ दवाई की दुकान पर काम करना शुरू किया था। एक मार्च को दवा व्यवसायी ने क्राइम ब्रांच में शिकायत कर बताया कि 23 जनवरी को किसी ने तिहाड़ जेल से गैंगस्टर शक्ति होने की बता बताकर फोन कर दो करोड़ रुपये रंगदारी मांगी। दो दिन के अंदर पैसे की व्यवस्था करने को कहा गया। उसी दिन रात को कॉलर ने दोबारा पैसे की मांग की। एक मार्च को तीसरी बार कॉल करने पर उन्होंने शिकायत कर दी। डीसीपी भीष्म सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर दिनेश कुमार, एसआइ अरुण सिंधू ने मोबाइल नंबर के आधार पर जांच करने पर पाया कि कॉलर ने हरी नगर व जनकपुरी से काल की थी। छानबीन के बाद पुलिस ने दो मार्च को पहले सतीश को उत्तम नगर से दबोच लिया। उससे पूछताछ के बाद दीपक को भी दबोच लिया गया। इनके पास से चार मोबाइल, सिमकार्ड व आइ 20 कार बरामद की गई। सतीश ने प्रयागराज से वारदात को अंजाम देने के लिए मोबाइल खरीदा था।

संपादकीय

ज्यादा सताएगी गरमी

भारतीय मौसम विभाग का इस वर्ष अधिक गरमी पड़ने का आकलन हैरान भले न करता हो, मगर चिंतित करने वाला जरूर है। पिछले साल भी भारी गरमी का रिकॉर्ड बना था, बल्कि 2020 को भारतीय रिकॉर्ड में आठवां सबसे गरम साल बताया गया था। विशेषज्ञ काफी पहले से हमें आगाह करते रहे हैं कि इस उपमहाद्वीप में बसंत का दौर छोटा होता जा रहा है और हम सीधे सर्दियों से गरमी में पहुंचने लगे हैं। जाहिर है, इन सबका असर पूरे जीवन-चक्र पर पड़ रहा है। सूचना है कि पिछले महीने तापमान बढ़ने के कारण पूर्वी ओडिशा से प्रवासी पक्षी वक्त से पहले ही लौट गए। जानकारों के मुताबिक, दीर्घकाल में फसलों की उत्पादकता भी इससे प्रभावित हो सकती है। भारतीय मौसम विभाग ने इस बार अधिक गरमी पड़ने के पीछे जो तर्क दिए हैं, उसके मुताबिक, उत्तर भारत के मौसम का मिजाज पश्चिमी विक्षोभ से तय होता है। आम तौर पर फरवरी महीने में छह बार ये विक्षोभ आते हैं, लेकिन इस बार ऐसी एक ही स्थिति बन सकी। मौसम में हो रहे इस बदलाव को महसूस करने के लिए अब हम ऐसी सूचनाओं पर बहुत निर्भर नहीं हैं, क्योंकि बेमौसम बारिश, वर्षा-पैटर्न में तब्दीली, सर्दियों में ग्लेशियरों का टूटना और प्रलय के दृश्य साल-दर-साल बढ़ते जा रहे हैं। हां! मौसम विभाग के आकलनों का महत्व भविष्य की तैयारियों के लिहाज से काफी है। प्रशासनिक तंत्र को बगैर वक्त गंवाए इस दिशा में सक्रिय हो जाना चाहिए। यह बेहद स्वाभाविक है कि भीषण गरमी की स्थिति में न सिर्फ विद्युत आपूर्ति की मांग बढ़ेगी, बल्कि पानी की कमी के हालात से भी दो-चार होना पड़ सकता है। इसलिए एक सुविचारित योजना के लिए यही माकूल समय है। मौसम के ये बदलाव सिर्फ भारत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रकृति किसी के साथ कोई मुरव्वत नहीं बरतती। इसके पीछे ग्लोबल वार्मिंग की मुख्य भूमिका से भी पूरी दुनिया अवगत है, लेकिन वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन को थामने के लिए जिस दूरदर्शिता की दरकार है, उसे दिखाने में विश्व बिरादरी नाकाम रही है। खासकर विकसित देशों से जिस अक्लमंदी की अपेक्षा की जाती है, अपने आर्थिक हितों के कारण वे उससे कतरा जाते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पेश किया, जब उसने पेरिस समझौते से अलग होने का अविवेकी फैसला किया था। वह भी तब, जब सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जित करने वाले पांच देशों में एक अमेरिका भी है। यह संतोष की बात है कि राष्ट्रपति बाइडन ने पर्यावरण संबंधी वैश्विक चिंताओं को समझा है। कुदरत तो धूप, हवा, पानी धरती के हरेक इंसान को नैसर्गिक रूप से बगैर किसी भेदभाव के सौंपती है, लेकिन नागरिक व्यवस्थाओं ने इनकी उपलब्धता को लेकर आदमी-आदमी में काफी अंतर पैदा कर दिया। विडंबना यह है कि कार्बन उत्सर्जन के लिए सुविधा संपन्न तबका सबसे अधिक जिम्मेदार होता है, मगर दुर्योग से इसका खामियाजा हाशिए के लोगों को अधिक भुगतना पड़ता है। सूरज की तपिश और लू के थपेड़ों के शिकार इसी तबके के लोग अधिक बनते हैं। मौसम विभाग की ताजा सूचनाओं के आलोक में सूखा रहने वाले इलाकों, बेघर आबादी, मवेशियों और जीवों के लिए पहले से मौजूद कार्यक्रमों को सक्रिय करने का वक्त आ गया है।

बाजारोन्मुख कृषि की ओर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि किसानों के लिए कृषि उपज बेचने के नये रास्ते, नये विकल्पों का विस्तार किया जाना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि क्षेत्र के लिए बजटीय प्रावधानों पर एक वेबिनार को संबोधित करते हुए यह बात कही। कहा कि कृषि उपज के मूल्यवर्धन और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाना जरूरी हो गया है। जरूरी है कि कृषि क्षेत्र में शोध एवं विकास कार्यों समेत दूसरे क्षेत्रों में भी निजी क्षेत्रकी भागीदारी बढ़े। दरअसल, आने वाला समय कृषि क्षेत्र के लिहाज से बदलाव का होगा। सरकार कृषि क्षेत्र का कायाकल्प कर देने के लिए संकल्पबद्ध है। किसानों की आमदनी दोगुना करने का वादा कर चुकी है। इस संकल्प के क्रियान्वयन के क्रम में उसे महसूस हो रहा है कि कृषि में लीक से हटकर कुछ करना ही होगा। चूंकि कोई भी बदलाव सहज नहीं होता इसलिए उसका विरोध भी होने लगता है। किसानों ने तीन नये कृषि कानूनों के खिलाफ जो आंदोलन छेड़ रखा है, उसे भी बदलाव के विरोध का ही एक स्वरूप माना जा सकता है। गौरतलब है कि सरकार ने तीन कृषि कानून पारित किए हैं, ताकि किसानों की आमदनी को दोगुना करने की दिशा में तेजी से बढ़ा जा सके। लेकिन इसके विरोध में चालीस से ज्यादा किसान संगठन उतर आए हैं। उनके साथ कुछ राजनीतिक दलों के आ जाने से किसानों की ये कानून वापस लेने की मांग राजनीतिक ज्यादा नजर आने लगी है। लगने लगा है कि कानून वापसी के पीछे कोई ठोस तर्क नहीं है, बल्कि किसानों को बरगला दिया गया है कि इन कानूनों के लागू होने से उन्हें अपनी जमीन तक से बेदखल होना पड़ सकता है। जबकि हकीकत यह है कि इन कानूनों में ऐसा कानून भी है, जो किसानों को अपनी उपज कहीं भी बेचने की आजादी देता है। किसान की आर्थिक स्थिति बेहतर होने की इस शर्त को पूरा करता है कि कृषि उपज बेचने के लिए ज्यादा से ज्यादा विकल्प किसान के पास होने चाहिए। लेकिन किसान इस व्यवस्था को समझने के बजाय यह मान रहे हैं कि इस व्यवस्था के अमल में आने से उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरकारी खरीद की व्यवस्था से वंचित होना पड़ेगा। बहरहाल, किसानों के लिए यह दौर तकलीफ देह है क्योंकि ढर्रा बदलते समय की यही खासियत होती है।

प्रवीण कुमार सिंह

टीका लगे तो टीका लगे

चौं रे चम्पू! कौरोना कौ टीका लगबाय लियौ?
-पहले ही दिन लगवा लेता, लेकिन एक मार्च को मैं ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के दीक्षांत समारोह में था। वहां मैंने अपने उद्बोधन में टीका की टीका करी। मैंने कहा कि देखिए, वैक्सीन के लिए अंग्रेजी में वैक्सीन के अतिरिक्त कोई शब्द नहीं है। अरबी-फारसी में हैं, फस्द, मसूरका और माये, लेकिन हम अपनी हिंदुस्तानी भाषाओं में कितने संपन्न हैं, इसका बोध होना चाहिए। एक-एक शब्द के कितने फलक और कितने पर्यायवाची हैं, ध्यान दें, तो दंग रह जाएं। वैक्सीन क्या है? ये हमारे शरीर के रोग या संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करती है। रोग के कारक-तत्व का एक सूक्ष्मातिसूक्ष्म अंश लिया और अनुसंधान के बाद संशोधित-संवतधत करके, उसे रोगी के शरीर में डालने योग्य बना दिया। यही काम हम अपनी भाषा और संस्कृति के क्षेत्र में करते हैं। -खुलासा करके बता। -खुलासा करना भी एक वैक्सीन है। साहित्य में टीका, श्रोता और पाठक के लिए वैक्सीन होती है। इसके कितने नाम हैं! अर्थ-कौमुदी, कुंजी, जिन्हें पढ़-पढ़ के बच्चे पास हो जाते हैं। गुटका, बड़े-बड़े ग्रंथों के गुटके! कौमुदी, अर्थग्रहण, अर्थबोध, शब्दबोध, पदान्वय, पदच्छेद, पदभंजन, विश्लेषण, मीमांसा, समीक्षा, विवेचना, मंथन, विमर्श, कारिका, पल्लवन, भावविस्तार, निरूपण, दर्शाना, द्योतक, बोधक, टिप्पणी, अनुसंधानी, तत्वसंधानी, खुलासा, ये सब साहित्यिक टीका-वैक्सीन हैं। अब देखिए, सामाजिक-सांस्कृतिक टीकाकरण! तिलक, सगाई, कुड़माई का टीका; वर-रोक का टीका, ठहरौती का टीका, भाईदूज का, वाग्दान का टीका, और रस्म-पगड़ी का टीका। नजर का टीका तो अद्भुत है। काजल का दिठौना मैया लगा देती है। ये सब टीके हैं, वैक्सीन हैं। मांगलिक वैक्सीन सुन लीजिए! कल्याण, शुभम, क्षेमकर, कुशलम, मांगल्यम, माफिक, मुफीद, चिह्न, रोचना, ललाटिका, त्रिपुंड, ये सब वैक्सीन हैं। औरग एक टीका वो जो सैनिक के मस्तक पर मां विजय-तिलक के रूप में लगाती है।-अरे! महामारी कौ टीका कब लगवायगौ?-पहले अपनी मां से अपने ललाट पर टीका लगवाऊंगा, तब लगेगा अस्पताल में टीका!

संतुलित रखने की चुनौती

चाय, चावल, नारियल और मसालों के अंतरराष्ट्रीय बाजार में कड़े प्रतिस्पर्धी भारत और श्रीलंका सामान्य मामलों में एक दूसरे को प्रतिद्वंद्वी मानने से परहेज कर सकते हैं, लेकिन तमिलों के मुद्दों पर ऐसा नहीं कहा जा सकता। यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट की श्रीलंका में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर आधारित रिपोर्ट को लेकर श्रीलंका चिंतित है, और चाहता है कि भारत श्रीलंका के खिलाफ आने वाले ऐसे प्रस्तावों का विरोध करे। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे इस मामले में चिट्ठी भी प्रधानमंत्री मोदी को भेज चुके हैं।

श्रीलंका की सामरिक स्थिति हिंद महासागर की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, और भारत इसीलिए श्रीलंका से संतुलित रिश्ते रखना पसंद करता है, लेकिन भारत के लिए यह इतना आसान नहीं है। अतिराष्ट्रवाद और तमिल विरोध को राजनीतिक हथियार बनाकर श्रीलंका की सत्ता पर काबिज राजपक्षे बंधुओं की भारत को लेकर नीति बेहद असामान्य रही है। इस साल भारत ने वैक्सीन मैत्री के तहत श्रीलंका को 50 हजार कोरोना वैक्सीन की डोज भेज कर मजबूत रिश्तों का इजहार किया तो इसके कुछ दिनों बाद ही राजपक्षे सरकार ने भारत के साथ एक ट्रांसशिपमेंट परियोजना के करार को ठंडे बस्ते में डाल कर दोनों देशों के मधुर होते रिश्तों को प्रभावित करने से कोई गुरेज नहीं किया। इस ट्रांसशिपमेंट परियोजना को ईस्ट कंटेनर टतमनल नाम से जाना जाता है। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना और पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे की सरकार के दौरान 2019 में यह महत्वपूर्ण समझौता हुआ था जिसमें जापान की भी सहभागिता थी।

श्रीलंका में रहने वाले तमिलों के भारत से मजबूत संबंध हैंग और वे कई दशकों से श्रीलंका में उत्पीड़न झेलने को मजबूर हैं। श्रीलंका में सिंहली बहुसंख्यकों द्वारा उत्पीड़ित श्रीलंकाई तमिल शरणार्थी भारत में पनाह के लिए आते हैंग और इसका प्रभाव भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु पर पड़ना स्वभाविक हैग जो ऐतिहासिक रूप से तमिलों की मातृभूमि समझा जाता है। श्रीलंका द्वीप का उत्तरी भाग भारत के दक्षिण पूर्वी समुद्र तट से मात्र कुछ किमी. दूर है, और तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले से जाफना प्रायद्वीप तक का समुद्री सफर छोटी-छोटी नौकाओं में आसानी से प्रति दिन लोग करते हैं। मध्य कोलंबो से तूती कोरिन और तेलई मन्नार से रामेश्वरम के मध्य समुद्री नाव सेवा प्राचीन समय से रही है। श्रीलंका की आबादी का 20 फीसदी तमिल हैं, और वे भारतीय मूल के हैं। दक्षिणी तमिलनाडु से इन तमिलों के रोटी-बेटी के संबंध हैं। श्रीलंका सालों से तमिलों की राष्ट्रीयता और उनके अधिकारों के प्रति दुर्भावना जताता रहा हैग भारत को लेकर भी आशंकित रहता हैग जबकि भारत की नीति उसके प्रति ऐतिहासिक-सांस्कृतिक कारणों से मित्रवत है।

तमिलों के अल्पसंख्यक और गरीब होने के कारण श्रीलंका की सरकारें इनके मौलिक अधिकारों की अनदेखी करती रही हैंग इस प्रकार इस देश में बसने वाले लाखों तमिलों में असुरक्षाग अविश्वास और आतंक की भावना विद्यमान है। श्रीलंका के 13वें संविधान संशोधन में कहा गया है कि हम तमिलों को गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए कई तरह के अधिकार प्रदान करेंगे। लेकिन श्रीलंका सरकार का रुख इसे लेकर सकारात्मक नहीं है। तमिलों के हितों को देखते हुए भारत के सामने चुनौती है कि श्रीलंका की सरकार से इन्हें लागू करवाए। राजपक्षे जिस प्रकार संकीर्ण राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे रहे हैं, उससे लगता है कि तमिलों पर अत्याचार बढ़ सकता है। श्रीलंकाई तमिलों पर अत्याचारों को लेकर श्रीलंका की वैश्विक आलोचना होती रही है। भारत श्रीलंका की तमिल विरोधी नीति का मुखर विरोध करता है, और संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद में उसके खिलाफ अनेक बार मतदान कर चुका है जबकि चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में श्रीलंका के पक्ष में मतदान करके भारत के खिलाफ कूट युद्ध को बढ़ावा दिया है। 2009 में श्रीलंका में एलटीटीई (लिट्टे) के खात्मे के साथ 26 साल तक चलने वाला गृह युद्ध समाप्त हुआ तो चीन पहला देश था जो उसके पुनतनर्माण में खुलकर सामने आया था। चीन ने श्रीलंका में हंबनटोटा पोर्ट का निर्माण कर हिंद महासागर में भारत की चुनौती को बढ़ा दिया है। श्रीलंका ने चीन को लीज पर समुद्र में जो इलाका सौंपा है, वह भारत से महज 100 मील की दूरी पर है। हंबनटोटा बंदरगाह दुनिया के व्यस्ततम बंदरगाहों में है, और महिंदा राजपक्षे के कार्यकाल में बने इस बंदरगाह में चीन से आने वाले माल को उतार कर देश के अन्य भागों तक पहुंचाने की योजना थी। चीन भारत का सामरिक प्रतिद्वंद्वी है, और स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स से समुद्र में भारत को घेरने की उसकी सामरिक महत्वाकांक्षा साफ नजर आती है, चीन भारत को हिंद महासागर में स्थित पड़ोसी देशों के बंदरगाहों का विकास कर चारों ओर से घेरना चाहता है। हंबनटोटा पोर्ट पर उसके अधिकार से भारत की समुद्र में चिंताएं बढ़ी हैं।

दक्षिण एशिया में श्रीलंका पहला देश था जहां भारतीय तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप खोले थे लेकिन अब यहां चीन हावी हो गया है। श्रीलंका के दूरदराज के हिस्सों में स्कूलों में बच्चों को चीनी भाषा सिखाई जा रही है। भारत से परंपरागत रूप से जुड़े श्रीलंका के नौनिहालों पर चीनी संस्कृति का प्रभाव बढ़ाने का प्रयास बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। चीन श्रीलंका का सबसे बड़ा आतथक-सामरिक साझेदार बन गया है।

पाकिस्तान और श्रीलंका के संबंध भी भारत की चिंता बढ़ा रहे हैं। श्रीलंका और पाकिस्तान के सामरिक संबंध मजबूत रहे हैंग और दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त अभ्यास करती रही हैं। 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में श्रीलंका ने भारत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान को अपना हवाई क्षेत्र उपलब्ध कराया था। पाकिस्तान श्रीलंका को छोटे हथियारों का मुख्य आपूततकर्ता रहा है, और यह सहयोग लिट्टे के खिलाफ गृह युद्धमें बड़े पैमाने पर किया गया था। दक्षिण एशिया में पाकिस्तान श्रीलंका का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। श्रीलंका पहला देश है, जिसने पाकिस्तान के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया है। भारत को अपनी आंतरिक सुरक्षा के लिए जहां तमिलों के हितों को लेकर सजग रहना है वहीं अपनी बाह्य और समुद्री सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए श्रीलंका में चीन और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव को भी नियंत्रित करना है। भारत की वैदेशिक नीति का झुकाव इस समय अमेरिका की ओर नजर आता है और बाइडेन प्रशासन मानव अधिकार जैसे मसलों पर ज्यादा मुखर है। भारत के हितों की रक्षा के लिए फिलहाल रुको और देखों की नीति ज्यादा मुफीद नजर आती है।

जन सरोकारों की अनदेखी कब तक

संसद में पिछले दिनों बजट सत्र का आगाज़ हुआ। कई दिन चला और अब कुछ दिन के पश्चात पुनः सत्र चलेगा। पंजाब विधानसभा का सत्र एक मार्च से प्रारंभ हो गया और देश की अनेक विधानसभाएं बजट सत्र को प्रारंभ कर चुकी हैं या कर रही हैं। पंजाब विधानसभा का सत्र बहुत हंगामेदार शुरू हुआ। हिमाचल का हंगामा तो हिंदुस्तान देख चुका है। सही बात तो यह है कि वहां जो कुछ हुआ, नहीं होना चाहिए था। कम से कम राज्यपाल की गरिमा का ध्यान तो सभी जनप्रतिनिधियों को रखना ही चाहिए।

अफसोस तो यह है कि आजकल लोकतंत्र के इन मंदिरों में एक-दूसरे के दोष गिनाए जाते हैं। अगर एक प्रदेश में कोई वीभत्स अपराध हो गया तो उस पर लज्जित होने की जगह सरकारी उत्तर यह रहता है कि जहां विपक्ष की पार्टी सत्ता में है वहां तो इससे ज्यादा अपराध हुए। यह नहीं कहा जाता कि वह नहीं होना चाहिए, अपितु एक-दूसरे के दोष निकालना, पगड़ी उछालना, धक्का-मुक्की करना और खबरों में छाए रहने के लिए संसद और विधानसभा में कुछ भी कर देना, कुछ भी कह देना, आज का दुर्भाग्यपूर्ण सत्य है।

देश में बेरोजगारी है, महंगाई है। देश के करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें सरकारी कानून बनने के बाद भी न्यूनतम वेतन नहीं मिलता। सुप्रीम कोर्ट चाहे यह निर्णय दे चुका है कि समान काम के लिए समान वेतन मिले, पर इस आदेश को राजनेताओं ने हवा में उड़ा दिया। पहले भरोसा देकर लोगों का विश्वास जीतना और फिर उस विश्वास को पूरी तरह तोड़ देना आज की राजनीति और जनप्रतिनिधियों का काम है। महंगाई बहुत हो गई, पर वास्तव में कुछ नहीं होगा क्योंकि जो संसद और विधानसभाओं के अंदर बैठे हैं, उनके अपने जीवन और परिवार पर इस महंगाई का कोई असर नहीं पड़ता।

अकाली नेताओं ने अपने शासनकाल के दस वर्षों में ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों को स्थायी करने के लिए और नियमानुसार पूरा वेतन देने के लिए जितना शोर मचाया था, वह पूरा क्यों नहीं कर पाए। कांग्रेस ने चुनाव प्रचार में इन्हीं कर्मचारियों के लिए बड़े सब्जबाग दिखाए थे। क्या कांग्रेस ने पंजाब के अस्थायी कर्मचारियों को जो हरियाली दिखाई थी, वह कब ला पाएगी। नगर निगमों और नगर परिषदों के चुनाव के दिनों में सरकारी तंत्र का जो दुरुपयोग हुआ, सबने देखा। अकाली नेताओं ने इसके लिए बहुत शोर मचाया। पांच वर्ष पहले इन्हीं चुनावों में कांग्रेस वाले इसी प्रकार सत्ता के दुरुपयोग, नामांकन रद्द करवाने और वोटरों को धमकाने की बात कहते थे। याद होगा मालवा क्षेत्र में एक जिले विशेष में क्या हुआ था। क्या सभी राजनीतिक पार्टियां मिलकर विधानसभा में यह संकल्प ले सकती हैं कि सत्ता में कोई भी हो, लोकतंत्र पर लाठी नहीं चलाई जाएगी।

आज पंजाब सरकार से और सभी पक्ष-विपक्ष के नेताओं से जनता की ओर से एक अपील है कि इस विधानसभा सत्र को चलाने में करोड़ों रुपये खर्च होंगे। विधायकों को मोटा टीए-डीए मिलेगा, पर उसका जनता को कोई लाभ दे पाएंगे? क्या यही निर्णय कर देंगे कि सभी कर्मचारियों को एक जैसे कार्य के लिए एक जैसा वेतन, छुट्टी, मेडिकल सुविधा दी जाएगी? क्या पंजाब के किसी पुलिस स्टेशन में, किसी तहसील में, किसी ईटीओ, डीटीओ के दफ्तर में भ्रष्टाचार नहीं रहेगा? पंजाब के सभी राजनीतिक दल अगर संकल्प के साथ निर्णय ले लेते हैं तब भी यह समझा जाएगा कि जनप्रतिनिधि ही विधानसभा में बैठे हैं। सबसे बड़ी बात पंजाब के विभिन्न विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार की चक्की में जनता पिस रही है और पिसने वाले इन नेताओं के मतदाता हैं, इन्हें माननीय बनाने वाले हैं। उनकी दुर्गति से अगर इन्हें कोई दर्द होता है तो वे इस विधानसभा सत्र में उनके लिए भी आवाज उठाएं।

आज तक का अनुभव तो यही है कि पंचा दा केहा सिर मत्थे, परनाला उत्थे दा उत्थे। यूं भी कह सकते हैं कि जनता मेड लीडरों को रंज तो बहुत है, पर केवल भाषणों में। जनता के लिए जो कुछ है, वह पांच वर्ष बाद चुनावी भ्रष्टाचार में प्रकट होगा। कहीं शराब बंटेगी, कहीं नोट, कहीं फोन और स्कूटी। बेचारी गरीब जनता उस एक दिन की दीवाली को ही अपना भाग्य समझकर फिर विश्वास तोड़ने वालों को सत्ता के शिखरों पर पहुंचाने को मजबूर हो जाती है। भारत की संसद से लेकर विधानसभाओं तक उनकी बात नहीं होती, जिनके लिए यह कहा जाता है कि राज्य जनता के लिए है, जनता के द्वारा है। जनता तो इस राज्य के द्वार तो दूर, दहलीज से भी बाहर है।

खतरा अभी टला नहीं

जिस बात का अंदेशा था, वह सामने है। लाख चेतावनियों के बाद भी जरा-सी लापरवाही पर दुनिया की इस सदी की महामारी फिर भारी पड़ती दिख रही है। कई देशों में पहले ही कोरोना की दूसरी और कहीं-कहीं इसके बाद की भी लहरें दिखने लगी हैं। भारत में भी विशेषज्ञ लगातार चेता रहे थे। लेकिन हम हैं कि मान नहीं रहे थे। अब महाराष्ट्र और दक्षिण के रास्ते तेजी से फैल रहे नये रूप के कोरोना वायरस ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। कम से कम महाराष्ट्र में तो हालात इस कदर बेकाबू से दिख रहे हैं कि कई शहरों को फिर से लॉकडाउन के साये में करने की मजबूरी जो हो गई है। यही स्थिति कमोबेश दक्षिण के कई राज्यों में है।

सबसे बड़ी चिंता की बात है कि कोरोना का नया रूप ज्यादा खतरनाक और तेजी से फैलने वाला बताया जा रहा है। हम मान बैठे थे कोरोना का रोना खत्म हुआ! कोरोना की नई रफ्तार ग्रामीण इलाकों को भी गिरफ्त में ले रही है। कई महानगरों में पूरे के पूरे अपार्टमेंट्स ही चपेट में आ रहे है, कहीं पूरा स्कूल संक्रमित मिल रहा है यानी कुल मिलाकर संकेत अच्छे नहीं हैं। फरवरी के दूसरे हफ्ते के बाद दुनिया भर में कोरोना से संक्रमित लोगों की कुल संख्या 11 करोड़ 22 लाख 63 हजार के पार जा पहुंची। इस वायरस से अब तक 24 लाख 85 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व के नक्शे पर देशों के हिसाब से देखें तो इस हफ्ते की शुरुआत तक सबसे ज्यादा कुल मामले अमेरिका में दर्ज हुए जो 28,765,423 रहे जबकि मौतों का आंकड़ा 5,11,133 पहुंच गया। इसके बाद भारत का नम्बर आता है जहां कुल दर्ज मामले 11,005,850 रहे जबकि 1,56,418 लोगों की मौत हुई। इसके बाद तीसरे नम्बर पर ब्राजील है जहां कुल दर्ज मामले 10,168,174 रहे जबकि मौतों का आंकड़ा 2,46,560 रहा।

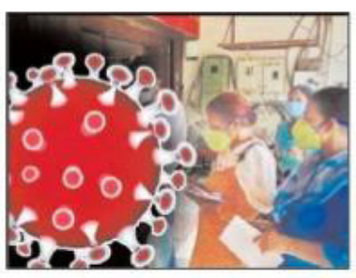

एक बात तो समझ आती है कि वैक्सीन आने के बाद महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में कोरोना के नये रूप में फिर से बढ़ने को बड़ी चेतावनी ही समझनी चाहिए। वैक्सीन की सफलता में संदेह नहीं है। लेकिन सबके वैक्सीनेशन की रफ्तार में तेजी नहीं दिखना कहीं न कहीं निराश करता है। यह भी विडंबना है कि पूरे देश से बीते कई हफ्तों से जो तस्वीरें सामने आ रही थीं, वे सबकी मिली जुली लापरवाही का नतीजा हैं। इतिहास गवाह है कि पहले भी जितनी महामारियां आई, उन पर काबू पाने में काफी वक्त लगा। लेकिन कोरोना को लेकर सुकून की बात रही कि दुनिया भर में तमाम कारगर टीके बहुत जल्द ईजाद हुए और इस मामले में भारत खुशनसीब है।

भारत में टीकों को लेकर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। टीके के सकारात्मक नतीजों के आंकड़ों पर नजर डालना होगा। शायद इस बारे में केंद्र और राज्य सरकारों को जनजागरूकता बढ़ानी होगी। पूरे देश में हर चिकित्सालय व सामाजिक संस्था को आगे आकर जहां टीके पर बेवजह के भ्रम को ईमानदार प्रयासों और जनसंवाद के जरिए दूर करने की कोशिश करनी होगी वहीं अब सभी आम और खास को भी समझना होगा कि साल 2021 में भी किसी भी सार्वजनिक स्थान या कहें कि घर की चौखट के बाहर मास्क के बिना दुखदायी होगा। हां, राज्य सरकारों को भी चाहिए कि कोरोना के जरा से खतरे की दस्तक होते ही स्कूलों पर प्रतिबंध जरूरी करें। इस बारे में दक्षिण सहित छत्तीसगढ़ के कई ताजा उदाहरण सामने हैं। क्यों नहीं इस साल इस नये नारे के साथ महामारी को चुनौती दी जाए '2021 में कोरोना को दें बस एक मास्क के साथ'। कोरोना के खतरों और अपने गांव, शहर, परिचितों की कोरोना से अकाल मृत्यु से भला कौन नहीं आहत होगा? किसको कोरोना के दंश का पता नहीं है। यह भी तो सब जानते हैं कि लंबे समय से कोरोना हमारी फितरत का आदी हो गया है। सीधे शब्दों में हमारे शरीर से आसानी से घुल मिल गया है, और पहुंचते ही दगा देता है। जाहिर है दवा के साथ सबसे जरूरी है कि इसको पहले ही रोक दिया जाए। यह सिर्फ संभव है घर के बाहर हर पल मास्क के साथ निकलें, दो गज की दूरी बनाए रखें और बार-बार हाथ साबुन से धोते रहें। जब पता है कि दवा जितना असरदार 10-20 रुपये का कपड़े का मास्क इस भीषण महामारी को चुनौती दे सकता है, और न केवल कोरोना बल्कि प्रदूषण और एलर्जी-अस्थमा से भी बचा रहा है, तो फिर इससे परहेज कैसा? हां, इस बारे में देश भर में इतना जरूर हो कि जो पिछले साल की सीख को लेकर एक बार फिर बजाय संपूर्ण लॉकडाउन के एहतियात के तौर पर नाइट कर्फ्यू जरूर लगा दिया जाए और दिन में बिना मास्क वालों पर सख्ती की जाए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

ट्रेनों को लेकर रेल मंत्री से उपनगर के प्रतिनिधिमंडल ने की थी भेंट

संत नगर को मिली गोरखपुर-बांद्रा और अहमदाबाद ट्रेनों की सौगात

दो संस्थाओं ने किया अलग-अलग स्वागत...

संत हिरदाराम नगर (एजेंसी)। संत हिरदाराम नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत एवं कपड़ा एसोसिएशन के पदाधिकारियों की 5 दिसम्बर 2019 को दिल्ली में रेल मंत्री पियूष गोयल से मुलाकात एवं इसी साल 16 जनवरी को भोपाल की भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को सौंपे गए ज्ञापन का नतीजा ही कहा जाएगा कि दो लम्बी दूरी की ट्रेनों गोरखपुर-बांद्रा एवं अहमदाबाद-गोरखपुर ट्रेनों की सौगात मिल गई है। वहीं रेल सुविधा संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने ड्राइवर गार्डन का शाल श्रीफल से स्वागत किया। पदाधिकारियों ने बताया कि पंचायत एवं संघर्ष समिति रेलवे मंत्री का हृदय से आभार प्रेषित करती है। स्वागत करने वालो में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी, महासचिव माधू चांदवानी एवं रेल सुविधा संघर्ष समिति के अध्यक्ष परसराम आसनानी, नंद दादलानी रेलवे आरपीएफ के थाना प्रभारी मोहम्मद इरफान मंसूरी एवं स्टेशन मास्टर राकेश मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित थे।

इन ट्रेनों के स्टापेज : रेलवे सूत्रों के अनुसार एक मार्च सोमवार से ट्रेन संख्या 09091 मुम्बई बांद्रा से सुबह 5.10 बजे प्रस्थान कर इसी दिन रात 8.45 बजे संत हिरदाराम नगर पहुंचेगी। जबकि ट्रेन संख्या 09092 गोरखपुर से रात 9.30 बजे रवाना होकर दूसरे दिन शाम 5.15 बजे संत हिरदाराम नगर आगमन होगा जबकि इसके बाद्रा मुम्बई पहुंचने का समय दूसरे दिन सुबह 8.30 निर्धारित है। बांद्रा से संत हिरदाराम नगर के लिए प्रस्थान करने के पहले बीच में सूरत, बड़ोदा, गोदरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, शुजालपुर के स्टापेज रखा गया है, जबकि संत हिरदाराम नगर के बाद यह ट्रेन विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी, महीयर, प्रयागराज (इलाहबाद) वाराणसी के बाद गोरखपुर अंतिम स्टापेज होगा।

अहमदाबाद-गोपरखपुर ट्रेन: इसके अलावा रेलवे ने सप्ताह में 6 के लिए अहमदाबाद-गोरखपुर ट्रेन की सौगात भी संत हिरदाराम नगर को दी है। ट्रेन संख्या 09489 अहमदाबाद गोरखपुर ट्रेन 2 सुबह 9.45 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात 8.45 बजे संत हिरदाराम नगर पहुंचेगी। यह ट्रेन छायापुरी, गोदरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन के बाद सीधे संत हिरदाराम नगर स्टापेज रहेगा। वापसी में ट्रेन संख्या 09490 गोरखपुर से रात 9.30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन शाम को 5.15 बजे संत हिरदाराम आगमन होगा बाद में यह अहमदाबाद के लिए प्रस्थान करेगी।

सेवा दिवस के रूप में मनाएंगे आज सीएम शिवराज का जन्मदिन

भोपाल। एकात्म मानववाद के सच्चे जननायक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जन्मदिन शुक्रवार को सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर स्वच्छता अभियान चलाकर वृक्षारोपण करेंगे। सुमित पचौरी ने बताया कि मंडल स्तर पर स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण किया जाएगा। पार्टी के कार्यकर्ता दोपहर 2.30 बजे मुख्यमंत्री निवास पर सीएम को बधाई देने जाएंगे।

रिजवी को बर्खास्त करने की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश में होने वाले आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भोपाल जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी ने कहा है कि कांग्रेस के विधायक और पार्षदों के कहने पर मध्य विधानसभा क्षेत्र के रजिस्ट्रीकरण सुपरवाईजर जिवरान रिजवी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी की थी। पचौरी ने इस मामले को गंभीर बताते हुए भोपाल कलेक्टर अविनाश लवानिया से मिलकर मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को बर्खास्त कर कार्यवाही करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी गलत नीतियों से बाज नही आ रही है। भारतीय जनता पार्टी आमजन की पार्टी है, वह किसी की भी कोई क्षति नही होने देगी। बीजेपी ने कलेक्टर से रिज़वी को तत्काल बर्खास्त करने की मांग उठाई है।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षित काम करने के लिए दिलाई शपथ

भेल। भेल भोपाल में आपदा से सीखें और सुरक्षित भविष्य की तैयारी करें की थीम के साथ 50वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया। भेल के कार्यपालक निदेशक सचिवालय में सादे कार्यक्रम में सुरक्षा दिवस का शुभारम्भ किया गया। अध्यक्षता करते हुए कार्यपालक निदेशक सी आनंदा ने सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सुरक्षित कार्य करने की अपील के साथ सुरक्षा-शपथ दिलाई एवं कर्मचारियों हेतु एक सुरक्षा संदेश भी जारी किया। इस कार्यक्रम में सभी विनिर्माण ब्लॉकों में उत्पादों के उत्पादन-महाप्रबंधकों द्वारा शॉप-फ्लोर पर भी सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को सुरक्षा-शपथ दिलाई। इसी क्रम में कारखाने में पूरे सप्ताह भर सुरक्षा जागरूकता हेतु सुरक्षा वार्ता सभी प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा संबंधी उद्घोषणा, सुरक्षा निरीक्षण एवं आपदा की तैयारियों की समीक्षा हेतु मोक ड्रिल का भी आयोजन किया जाएगा ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वर्चुअल सेमिनार का आयोजन

भोपाल। मण्डल रेल प्रबंधक उदय बोरवणकर के मार्गदर्शन में गुरूवार को कार्मिक विभाग द्वारा विद्युत लोको शेड इटारसी में महिला रेल कर्मियों के स्वास्थ्य एवं जीवन शैली पर वर्चुअल सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में आमंत्रित डॉक्टर गोरख परुलकर और डॉक्टर श्रीमती तेजल परुलकर द्वारा कामकाजी महिलाओ के जीवन में संतुलन और स्वास्थ्य के लिये हार्टफुलनेस रिलैक्सेशन तकनीक के साथ ध्यान करवाया गया तथा महिलाओं के मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न जानकारी प्रदान की गई एवं उसका निदान बताया गया। इस अवसर पर प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, ड्यूटी के साथ-साथ पारिवारिक संतुलन आदि विषयों पर महिलाओं द्वारा पूंछे गए प्रश्नों का जवाब बड़े ही सरल ढंग से देते हुए स्पॉट पर ही उनका निदान समझाया गया।

महाशिवरात्रि पर्व पर दो दिवसीय मेले का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। शिव मंदिर स्टेशन रोड संत हिरदाराम नगर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व बड़ी धूम-धाम से मनाया जायेगा, इस वर्ष शिव मण्डली द्वारा मध्य प्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी के सहयोग से दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। 10 मार्च 2021 को मेले का उद्घाटन परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के उत्तराधिकारी श्रद्धेय सिद्ध भाऊ एवं हुजूर क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा शाम को 6:00 बजे किया जायेगा। 10 मार्च को रात्रि 09:00 बजे से 12:30 बजे तक भगत पवन कुमार म्यूजिकल पार्टी उल्हासनगर वाले एवं रात्रि 12:30 बजे से सुबह 4:00 बजे तक भगत मोहन लाल एण्ड पार्टी उल्हासनगर वालों की सिंधी भगत का आयोजन किया गया है। 11 मार्च को सुबह 6:00 बजे से 10:00 बजे तक हवन तत्पश्चात महाआरती होगी तत्पश्चात 11 बजे से 2 बजे तक आम भण्डारा का आयोजन किया गया है।

कैडेट्स ने दिया स्वच्छता अभियान का संदेश

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के अंतर्गत एक दिवसीय स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के निदेशक हीरो ज्ञानचंदानी ने कैडेट्स के इस प्रयास की सराहना की एवं भविष्य में भी सामाजिक सरोकार से जुड़े इस प्रकार के आयोजन की बात कही। प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए। क्लीन इंडिया - ग्रीन इंडिया, यही हमारा ड्रीम इंडिया, स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत का संदेश देकर समस्त कैडेट्स ने महाविद्यालय के आस-पास के क्षेत्रों में स्वयं सफाई कर अन्य लोगों को भी स्वच्छता हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा एनसीसी केयर टेकर डॉ. मीना बरसे एवं सभी कैडेट्स को हार्दिक बधाई दी।

एफ सेक्टर अयोध्या में 6 मार्च से भागवत कथा

भोपाल। अयोध्या नगर में 6 मार्च से श्रीमदभागवत कथा का आयोजन होने जा रहा है। समाजसेवी बलवंत सिंह रघुवंशी ने बताया कि एफ सेक्टर अयोध्या नगर में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा व्यास होंगे पण्डित गोविंदाचार्य जी महाराज व मुख्य यजमान एवं आयोजक संजय रघुवंशी एवं मित्र मण्डल है। कथा के पूर्व 6 मार्च को प्रात: 9 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी एवं प्रतिदिन कथा का समय दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक रहेगा।

जूनियर चेम्बर इन्टरनेशनल भोपाल शाखा के सदस्य निराश्रित बच्चों के साथ बांटेगें खुशियां

भोपाल। जूनियर चेम्बर इन्टरनेशनल (जेसीआई) भोपाल के सदस्य 5 मार्च शुक्रवार को 6 राजधानी के स्लम एरियों के बच्चों के साथ परिवार सहित खुशियां बांटेंगे। होटल अशोका लेकव्यू, होटल ड्रायविंग सिनेमा में सभी बच्चों के साथ पिक्नर, मनोरंजन के साथ बच्चों को उपयोग में आने वाली स्टेशनरी एवं शिक्षण सामग्री वितरण की जायेगी। प्रोजेक्टर डायरेक्टर प्रदीप मालवीय एवं तन्मय ने बताया कि जेसीआई के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य अपने परिवार के साथ मौजूद रहकर बच्चों के खुशी के पल बांटेंगे। और मनोरंजन गेम आदि भी खिलायेंगे। जेसीआई की विश्व में लगभग 104 देशों में शाखाएं कार्यशील है जो साल भर सामाजिक उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करती हुई खेल, मनोरंजन आदि गतिविधियां संचालित करती है।

बिजनेस न्यूज

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डा. बत्राज ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रकाश डाला

भोपाल। महिला स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए डॉ बत्राज ने इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी महिलाओं के लिए अपने दरवाजे खोले। विश्व की सबसे बड़ी होम्योपैथी श्रृंखला डा बत्राज इस अवसर पर महिलाओं के लिए मुफ्त परामर्श और होम्योपैथिक उपचार पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान करता है। 6 से 8 मार्च के बीच महिलाएं पूरे भारत में डॉ बत्राज की 200 से अधिक क्लीनिकों में अपॉइन्टमेन्ट बुक कर सकती हैं और होम्योपैथिक चिकित्सा विशेषज्ञता का लाभ उठा सकती हैं। पद्मश्री प्राप्तकर्ता तथा डा बत्राज ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक डॉ मुकेश बत्रा ने कहा, महिलाएं अक्सर अपने परिवार को सबसे पहले रखती हैं और बहुत सारी स्वास्थ्य समस्याओं से चुपचाप पीड़ित होती रहती हैं। चाहे वह बरसात के दिन के लिए बचत कर रही हो या वित्तीय कमी से निपटना हो, वह अक्सर अपनी स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों जैसे पीठ दर्द, सिर दर्द, श्वेत प्रदर, अनियमित मासिक और यहां तक कि मानसिक स्वास्थ्य को भी नजरअंदाज कर देती हैं। होम्योपैथी सुरक्षित व प्रभावी है और सभी महिलाओं के स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान है।

अप्लास्टिक एनीमिया की बीमारी चिंता का विषय

भोपाल। प्रतिवर्ष चार मार्च को विश्व एनीमिया दिवस मनाया जाता है। आयुष मेडिकल वेलफेयर फाउंडेशन एवं मेडिकल और हेल्थ मैग्जीन सेहत एवं सूरत और एडवांस्ड होम्योपैथिक मेडिकल रिसर्च एवं वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से अप्लास्टिक एनिमिया अवेयरनेस पर प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता रहा है। इसी श्रृंखला में इस वर्ष भी अप्लास्टिक एनिमिया के बारे में जागरुक करने के साथ ही उसके कारण, दुष्परिणाम, बचाव व इलाज की जानकारी देने के लिए एक स्वास्थ रथ तैयार किया गया। यह स्वास्थ्य रथ शहर में 50 हजार लोगों तक पहुंचा। रथ की यात्रा चार मार्च को इंदौर के होटल अमर विलास पर समाप्त हुई। जहां पर निशुल्क अप्लास्टिक एनीमिया अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन किया भी गया। डॉ एके द्विवेदी ने बताया कि लोगों में बढ़ती अप्लास्टिक एनीमिया की बीमारी चिंता का विषय है। होम्योपैथिक इलाज के बाद लगभग 65 फीसदी लोगों में सुधार देखा गया, जिन्हें बार-बार ब्लड अथवा प्लेटलेट्स लगाने होते थे। उनमें सुधार देखा गया। लगभग 15 फीसदी पेशेंट एक बार होम्योपैथिक दवा लेने के बाद दोबारा नहीं आए।

श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा का किया महामस्तिष्काभिषेक

भोपाल। संतों के सानिध्य में राजधानी के जैन मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर भानपुर में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनिश्री अजित सागर, एलक श्री दयासागर, एलक विवेकानंद सागर महाराज एवं छुल्लक प्रशम सागर महाराज के सानिध्य में भोपाल में बड़े बाबा के नाम से विख्यात भगवान पार्श्वनाथ की अति मनोहारी पदमासन प्रतिमा का कलशाभिषेक भक्तिभाव से श्रद्धालुओं ने किया। सम्पूर्ण जिनालय भगवान जिनेन्द्र के जयकारों से गूंज उठा। जिनालय में विराजमान सभी जिन प्रतिमाओं का एक साथ अभिषेक किया गया तो श्रद्धालु भक्ति में झूम उठे और संगीतकार धर्मवीर दोराहा टीम द्वारा संगीतमय स्वर लहरियों के साथ भजन कलशा ढालो रे नर नारी पार्श्वनाथ की मूर्ति अति मनहारी, जब गाया गया तो हर व्यक्ति थिरकने को मजबूर था। मुख्य अभिषेक पुण्यअर्जक परिवार वीरेन्द्र श्रीजी थे। दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी अंशुल जैन ने बताया कि मुनिश्री की प्रेरणा से जिनालय का मुख्य द्वार पूर्णतः पाषाण का बनाया जायेगा। जिसके पुण्यअर्जक परिवार हरकचंद प्रवीण जैन होंगे। प्रतिष्ठाचार्य सुमत भैया एवं अनिल भैया के निर्देशन में मंत्रोचार के साथ धार्मिक अनुष्ठान विधि विधान से हुए। और नवीन वेदिका पर चैबीस तीर्थंकर भगवान की प्रतिमाओं को भक्तिभाव से विराजमान किया गया। आशीष वचन में एलक विवेकानंद सागर महाराज ने कहा ज्ञान को संज्ञान में लगाना प्रत्येक प्राणी का कर्तव्य होता है। हम सभी का परम सौभाग्य है कि इस युग में हमें संतों का सानिध्य प्राप्त हो रहा है और भारत की संस्कृति अध्यात्म की संस्कृति है। जैन दर्शन में 1-1 मंत्र स्वयं में संपूर्ण शास्त्र है। धार्मिक मंत्रों में इतनी व्यापक और विशालता पाई जाती है जो अनुष्ठानों के दौरान हम शब्दों का शुद्ध उच्चारण करते हैं तो स्वयं देवी-देवता भी आयोजन स्थल पर आकर श्रवण करते हैं। मंदिर समिति के प्रमुख अशोक जैन, मनोज बांगा, निर्मल जैन 'निम्मा भैया' प्रदीप जैन, बालचंद जैन, रमेश चंद जैन, संतोष जैन आदि मौजूद थे।

पर्यटन मंत्री सुश्री ठाकुर और जल संसाधन मंत्री सिलावट ने पुस्तक का विमोचन किया

भोपाल (एजेंसी)। पर्यटन संस्कृति और अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर और जल संसाधन, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास मंत्री तुलसीराम सिलावट ने डॉक्टर जीवन एस. रजक के काव्य संग्रह तुम्हारे न होने से पुस्तक का विमोचन किया। इप्को पर्यावरण परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इंद्रा पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक प्रेम कविताओं का संग्रहण है। कार्यक्रम में उपस्थित आईएएस ओपी श्रीवास्तव और रिटायर्ड आईएएस श्रीकांत पांडे ने इस पुस्तक की समीक्षा लिखी है। पुस्तक के विमोचन के दौरान अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा, इंद्रा पब्लिशिंग हाउस के निदेशक मनीष गुप्ता और लेखक. पुस्तकप्रेमी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

चित्रमय भोपाल की अंतिम तिथि 14 मार्च तक बढ़ी

भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय चित्रमय भोपाल अर्थात् सुरम्य भोपाल नामक एक फोटो प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इसके लिए भोपाल से संबंधित सांस्कृतिक विरासत, लोक संस्कृति और परंपराओं, पोशाक, लैंडस्केप, प्राकृतिक धरोहर, जीवन की श्रेणियों से संबंधित तस्वीरें आमंत्रित की गई हैं। संग्रहालय के निदेशक ने बताया कि भोपाल के स्थानिय लोगों की मांग को ध्यान मे रखते हुए प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 14 मार्च 2021 को दोपहर 12 बजे तक बढा दी गई है। अब इच्छुक फोटोग्राफर भोपाल से संबंधित छायाचित्रों को निर्दिष्ट ईमेल पर ऑनलाइन सबमिशन कर सकते हैं।

वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन का सम्मेलन 21 को होगा

भोपाल। एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के भोपाल में 21 मार्च को होने बाले प्रांतीय सम्मेलन को संबोधित करने के लिए माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति के जी सुरेश को आमंत्रित करने के लिए एम पी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष राधावल्लभ शारदा के साथ भोपाल इकाई की सचिव एवं पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के भवन में मिला । इस प्रशिक्षण शिविरों में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश सरकार के जनसंपर्क विभाग एवं एम पी वर्किंग जर्नलिस्ट के सामुहिक प्रयास से होना चाहिए ।

सीएम राइज स्कूल योजना में आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश की कल्पना जरूरी

भोपाल। बजट में प्रावधान होते ही स्कूल शिक्षा विभाग मुख्यमंत्री की मंशा अनुसार सीएम राइज स्कूल प्लानिंग में जुट गया है। शुरुआत भोपाल संभाग से हुई है जहां पर एक कार्यशाला के माध्यम से जिला शिक्षा अधिकारियों को पूरी अवधारणा बताई गई। समझाया गया कि इस प्लानिंग के तहत हमें आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश की कल्पना को साकार करना है। 03 मार्च 2021 को प्रदेश स्तरीय सीएम राइज वर्चुअल वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशाप में सभी संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारियों, डाइट प्राचार्य, एडीपीसी, एपीसी राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान ने सहभागिता की । कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती रश्मि अरूण शमी, प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग के उद्बोधन के साथ हुआ। जिसमें उन्होंने कार्यशाला की भूमिका के बारे में विस्तार से अवगत कराते हुए प्रथम चरण में सीएम राईज अंतर्गत चयनित विद्यालयों में आत्म निर्भर मध्यप्रदेश अभियान को दृष्टिगत रखते हुएए प्रदेश में शासकीय विद्यालयों को आधुनिक आवश्यकता अनुसार विकसित करने के लिये विजन डाक्यूमेंट तैयार करने हेतु अपने अपने आईडिया देने हेतु निर्देश दिये। तत्पश्चात श्रीमती जयश्री कियावत, आयुक्त लोक शिक्षण द्वारा वर्कशाप की अवधारणा के बारे में अवगत कराया।

वर्कशाप में नीति आयोग की साथ टीम की प्रमुख श्रीमती गरिमा बत्रा द्वारा यह उल्लेख किया की आप छात्र से क्या विद्यालय छोड़ने के उपरांत उससे क्या अपेक्षा चाहते है। आपका विद्यालय कैसा होना चाहिये इन विषयों पर ब्रेन स्टार्मिंग कर सभी संभागीय टीमों से उनके विजन चाहे गये। सभी संभागीय टीम द्वारा अपने.अपने प्रस्तुतीकरण वर्कशाप में दिये गये।

सभी टीमों द्वारा विद्यालय की अधोसंरचना, मानव संसाधन, विद्यार्थी का समेकित विकास, पाठ्यक्रम, शिक्षकों की भूमिका आदि विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। भोपाल संभाग में राजीव सिंह तोमर, संयुक्त संचालक डीएस कुशवाह, अपर संचालक, सुश्री कामना आचार्य एवं भोपाल संभाग के सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी उपस्थित थे। भोपाल संभाग का प्रस्तुतीकरण नितिन सक्सेना, जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दिया गया।

मेडिटेशन सेंटर में हुआ शिव ध्वजारोहण

संत हिरदाराम नगर। विगत दिवस विजय नगर कॉलोनी, लालघाटी के ब्रह्माकुमारीज मेडिटेशन सेंटर में शिवरात्रि के पावन पर्व की बेला पर शिव ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया गया इसमें ब्रह्माकुमारीज की बड़ी दीदी, वीना दीदी सहित कई भैय्या दीदी भी उपस्तिथ हुए। शिव ध्वजारोहण के बाद वार्ड 6 के आनंद सबधाणी ने कहा कि मैं वैसे तो टीचर हूँ लेकिन जब भी मैं ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रम में आता हूँ तो एक स्टूडेंट बन जाता हूँ, क्योंकि हर बार यहाँ से कुछ नया सीखने को मिलता है। मनोज वर्मा द्वारा कहा गया कि हमें हमेशा परमार्थ के कार्य पर ही चलना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में वीना दीदी के साथ सभी ने शांति सद्भावना एवं परमार्थ पर चलने की शपथ ली।

वाइन शॉप से 6 लाख की शराब चुराने वाले बदमाश समेत तीन गिरफ्तार

रतलाम जिले से चोरी किए तूफान वाहन में भरकर ले गए थे शराब

भोपाल (एजेंसी)। हबीबगंज पुलिस ने करीब 15 दिन पूर्व दस नंबर मार्केट स्थित वाइन शॉप से छह लाख रुपए की शराब चुराने वाले चोर गिरोह के एक सदस्य को सागर से गिरफ्तार किया है। वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपी मूलरूप से सागर जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने चोरी की शराब खरीदने वाले दो अन्य आरोपियों को भी दबोचा है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के तूफान वाहन के अलावा दो पेटी अंग्रेजी शराब गोवा बरामद की है।

विगत 18-19 फरवरी 2021 की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने दस नंबर मार्केट स्थित एक शराब की दुकान का ताला तोड़कर अलग-अलग ब्रांड की अंग्रेजी शराब और नगदी समेत करीब छह लाख रुपए की चोरी की थी। प्रकरण की विवेचना के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक करने के अलावा मुखबिरों को भी सक्रिय कर दिया गया था। इस बीच जानकारी मिली कि वारदात में इस्तेमाल की गई तूफान गाड़ी सागर में देखी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस ने सागर से वाहन जब्त कर वाहन का संचालन करने वाले आरोपी देवेन्द्र लोधी (40) निवासी ग्राम पढवार थाना बंडा जिला सागर को हिरासत में ले लिया। वाहन पर लगी नंबर प्लेट एमपी 20 बीए 4656 फर्जी निकली।

गाड़ी का असली नंबर एमपी 43 बीडी 2915 है। यह वाहन रतलाम जिले से चोरी होना ज्ञात हुआ। पूछताछ में आरोपी देवेन्द्र लोधी नें अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर 10 नंबर मार्केट में शराब की दुकान का ताला तोड़कर शराब की चोरी करना कुबूल किया। चोरी की शराब उक्त चोरी के तूफान वाहन में लेकर गए थे। चोरी की शराब में से अपने हिस्से में मिली शराब देवेन्द्र लोधी ने संदीप ठाकुर व पप्पू उर्फ नीग्रो को बेचना बताया। लिहाजा पुलिस ने आरोपी देवेन्द्र की निशानदेही पर दोनों आरोपियों संदीप ठाकुर (26) निवासी मकरोनिया स्टेशन के पास लक्ष्मी नगर सागर व पप्पू ठाकुर उर्फ नीग्रो (32) निवासी भूतेश्वर भगत सिंह वार्ड मोती नगर सागर को भी गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से दो पेटी अंग्रेजी शराब गोवा जब्त की गई है। प्रकरण के तीन अन्य फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

भगवान भक्त की जात नहीं भाव देखते हैं: साध्वी वैष्णवी

भोपाल (एजेंसी)। रतनपुर शिव मंदिर में चल रही भागवत कथा की आयोजक राखी परमार ने बताया कि कथा के पंचम दिवस कथा वाचक साध्वी वैष्णवी जी ने गोवर्धन पूजन का महत्व और कृष्ण बाल लीला के प्रसंग सुनाए। उन्होंने बताया कि भगवान कभी भी भक्त की जात नहीं देखते वे तो केवल भक्त के हृदय का भाव देखते हैं

उन्होंने लोगों को बताया कि आप ज्ञानी बनों खूब पढ़ो लेकिन अंहकारी मत बनों जब भी आपके दरवाजे पर कोई गरीब आ जाये तो उसकी मदद अवश्य करो क्योकि ऐसी धन दौलत कमाने से क्या फायदा जिससे आप दूसरों की मदद न कर सकों। साध्वी ने गोवर्धन पूजा का महत्व बताते हुए जब भजन गाया तो श्रद्धुला मंत्रमुग्ध हो गए और कथा पंडाल में गोवर्धन की झांकी के चारों और नृत्य करने लगे।

साध्वी वैष्णवी जी ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि अपने बेटे को कमाने योग्य बनाओ लेकिन भिखमंगा और निकम्मा मत बनाना। उसे ऐसे संस्कार दो कि वो अपने परिवार का भरण पोषण करने योग्य बने, शादी में दहेज न मांगे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग आज दहेज के लिए अपनी बहू को जला देते हैं समाज में ऐसे व्यक्ति के लिए कोई जगह नहीं है। बुधवार रात्रि में साध्वी वैष्णवी जी ने नानी बाई का मायरा का प्रसंग सुनाया इसके बाद सभी ग्रामीणों ने अपनी श्रद्धा भाव से कपड़े साड़ी, फल, प्रसादी इत्यादि वस्तुओं से नानी बाई का मायरा भरा।

जनसंघ के संस्थापक बंगाल के सपूत, दीदी फिर भी भाजपा को बाहर की पार्टी बताती हैं : गडकरी

जॉयपुर, पश्चिम बंगाल, (एजेंसी)। बंगाल में विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार का घमासान छिड़ा है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि दीदी भाजपा को बाहर की पार्टी मानती हैं जबकि इसकी पूर्ववर्ती जनसंघ के संस्थापक राज्य के सपूत श्यामा प्रसाद मुखर्जी हैं। पार्टी की परिवर्तन यात्रा के दौरान पुरुलिया जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि देश का निष्कर्ष विविधता में एकता है। उन्होंने कहा, हम देश को एक साथ बुनना चाहते हैं न कि इसे बांटना चाहते हैं। भारत का विकास और उन्नति ही भाजपा का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, ममता भाजपा को बाहर की पार्टी कहती हैं लेकिन भाजपा जिस जनसंघ के विचारों पर गठित हुई थी, उसके संस्थापक बंगाल के सपूत श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया पश्चिम बंगाल में युवाओं को रोजगार नहीं मिलता है, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता है, राज्य में अच्छी सड़कें नहीं हैं और ग्रामीण लोग अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने कहा, आपने कांग्रेस, माकपा नीत वाम मोर्चा को वर्षों दिए और ममता बनर्जी को 10 साल दिए, लेकिन पश्चिम बंगाल उभर नहीं सका।

उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार जमीन का अधिग्रहण नहीं पाई जिस कारण राज्य में सड़क निर्माण कार्य बाधित हुआ है। गडकरी ने कहा कि 341 करोड़ रुपए की लागत से बांकुड़ा से पुरुलिया तक की 84 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण एनएचएआई ने पूरा किया है जो क्षेत्र के पिछड़े इलाकों को आसनसोल, दुगार्पुर और पड़ोसी राज्य झारखंड के साथ बेहतर तरीके से जोड़ती है।

उन्होंने कहा कि पुरुलिया को झारखंड के चांडिल से जोड़ने वाली 74 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजना को मंजूरी दी गई है जिस पर 709 करोड़ रुपए का खर्च आएगा और इसका काम जून 2022 तक पूरा हो जाएगा। गडकरी के पास केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय का भी जिम्मा है। उन्होंने कहा एमएसएमई मंत्रालय के पास कई परियोजनाएं हैं जो लोगों को आय के अवसर प्रदान कर सकती हैं।

उन्होंने दावा किया, पश्चिम बंगाल में कोई विकास नहीं हुआ है और राज्य के लोग भ्रष्टाचार के बीच भय और भूख में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य की स्थिति में बदलाव करना चाहती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हमारी सरकार ने पांच वर्षों में जो हासिल किया वह 50 वर्षों में नहीं किया जा सका है। गडकरी ने कहा कि भाजपा शासन के दौरान 35 करोड़ लोगों के जन धन खाते खोले गए हैं जबकि कांग्रेस की पिछली सरकार के दौरान केवल तीन करोड़ बैंक खाते थे। उन्होंने कहा कि देश में नौ करोड़ गरीब परिवारों को मोदी सरकार द्वारा मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं।

पश्चिम बंगाल के लोगों से डबल इंजन की सरकार (केंद्र और राज्य, दोनों जगह भाजपा की सरकार) को चुनने का आह्वान करते हुए गडकरी ने कहा, 50 साल में जो नहीं हुआ वह राज्य में पांच साल के भाजपा शासन के दौरान होगा। उन्होंने दावा किया, दो मई (मतगणना का दिन) को भाजपा को बहुमत मिलेगा और सरकार बदलेगी। भाजपा के नेता अगले दिन का फैसला करेंगे और चार मई को भाजपा का मुख्यमंत्री शपथ लेगा। बंगाल की विधानसभा की 294 सीटों पर 27 मार्च से 29 अप्रैल के बीच आठ चरणों में चुनाव होंगे।

बस्ती। चर्च कम्पाउण्ड से हटाये गये दुकानदारों का धरना।

महिला अफसरों को स्थायी कमिशन देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। भारतीय सेना के स्थायी कमिशन देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को नहीं किए जाने के संबंध में महिला अधिकारी की याचिका पर आज सुनवाई होनी है। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को भारतीय सेना में महिला अधिकारियों की परमानेंट कमिशन की याचिका पर सुनवाई करेगा, महिला आधिकारी ने आदेश को लागू नहीं करने को लेकर शीर्ष अदालत से गुहार लगाई है। याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन न करने के लिए कथित रूप से उन लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाए जिन्होंने फैसले की अवमानना की है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले आदेश दिया था कि भारतीये सेना में सभी महिला अधिकारियों के लिए परमानेंट कमिशन लागू होगा, दिल्ली उच्च न्यायलय के बाद भी यह फैसला दिया गया था कि महिला अधिकारियों को स्थायी कमिशन दिया जाना चाहिए। पिछले साल, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया था कि वह अपने पुरुष समकक्षों के साथ सेना की गैर-लड़ाकू सहायता इकाइयों में स्थायी आयोग को महिलाओं को भी अनुदान दे। न्यायमूर्ति डॉ डी वाई चंद्रहुड की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की एक पीठ और जिसमें न्यायमूर्ति एम आर शाह भी शामिल थे, ने पहले मामले की अंतिम सुनवाई 24 फरवरी के लिए तय की थी। हालांकि, सेना ने दावा किया कि 615 महिला अधिकारियों में से 422 ऐसे हैं जो सेना में पीसी के लिए योग्य हैं। लेकिन वास्तव में, 422 में से केवल 277 को पीसी दिया गया है और शेष संख्या अर्थात 145 ऐसी अधिकारी हैं, जो या तो गैर-ऑपिटे हैं या जिनका परिणाम चिकित्सा और प्रशासनिक कारणों से रोक दिया गया है, 193 अधिकारियों को पीसी से वंचित कर दिया गया है।

मुख्तार अंसारी और मुन्ना बजरंगी गैंग के दो शूटर एनकाउंटर में ढेर

आगरा, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में यूपी एसटीएफ और बाइक सवार दो बदमाशों की मुठभेड़ हो गई। घेराबंदी करने पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी जिसपर एसटीएफ ने इधर से भी गोली चलाई। फायरिंग में दोनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस दोनों घायलों को अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। छानबीन में पता चला मारे गए बदमाश 50,000 इनामी है और प्रयागराज में एक राजनीतिक व्यक्ति की हत्या के इरादे से आए थे। सीओ एसटीएफ नवेन्दु सिंह ने बताया कि मुख्तार अंसारी और मुन्ना बजरंगी गैंग के लिए काम करने वाले दो सुपारी किलर के बारे में सूचना मिली थी। पता चला था कि मुन्ना बजरंगी की मौत के बाद भदोही का 50 हजार इनामी वकील पांडेय और अमजद उर्फ पिंटू चाका के पूर्व ब्लाक प्रमुख दिलीप मिश्रा के लिए काम करने लगे हैं। इसी सूचना पर गुरुवार सुबह एसटीएफ की टीम नैनी सोमेश्वर नाथ मंदिर तिराहा के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक सवार दो बदमाश उधर से गुजरे। एसटीएफ को देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। घेराबंदी करके एसटीएफ ने भी गोली चलाई, जहां पर दोनों बदमाश घायल हो गए। उन्हें स्वरूपरानी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एसटीएफ की मानें तो मुठभेड़ में मारे गए बदमाश सुपारी किलर थे। वाराणसी में दिनदहाड़े डिप्टी जेलर अनिल त्यागी की हत्या की थी। इसके अलावा वर्तमान में रांची जेल में बंद कोयला व्यापारी की हत्या का आरोपी अमन सिंह ने वहां के एक डिप्टी जेलर की हत्या की सुपारी दोनों शूटरों को थी। इस बात की भी जानकारी मिली है कि प्रयागराज में भी कोई सनसनीखेज वारदात को अंजाम देना था। मुठभेड़ में मारे गए बदमाशों के पास से 32 बोर और 9 एमएम की पिस्टल कारतूस और बाइक मिला है।

बिहार पंचायत पुनर्गठन को लेकर अधिनियम में संशोधन जल्द

पटना, (एजेंसी)। बिहार में ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन को लेकर पंचायत राज अधिनियम 2006 में शीघ्र ही संशोधन होगा। इसका प्रस्ताव पंचायती राज विभाग ने कैबिनेट को भेज दिया है। कैबिनेट की स्वीकृति के बाद संशोधन विधेयक विधानमंडल के चालू बजट सत्र में पेश किया जाएगा। यहां से पारित होने के बाद यह संशोधन अधिनियम का हिस्सा बन जाएगा। मालूम हो कि नए नगर निकायों के बनने से 300 ग्राम पंचायतें पूरी तरह उसका हिस्सा बन गई हैं। वहीं करीब 200 ऐसी पंचायतें हैं, जिनका कुछ ही क्षेत्र नगर निकाय में शामिल हुआ है। सरकार के नए निर्णय के अनुसार शेष बचे क्षेत्र में अगर तीन हजार की आबादी वर्ष 1991 की जनगणना के आधार पर बची हुई है तो पंचायत के रूप में उसका अस्तित्व बरकरार रहेगा। तीन हजार से कम आबादी होने पर उस क्षेत्र को समीप के ग्राम पंचायत में शामिल किया जाएगा। जबकि पंचायत राज अधिनियम 2006 में प्रावधान है कि 1991 की जनगणना के आधार पर ग्राम पंचायतों की आबादी सात हजार के करीब होगी।

ओवैसी की उम्मीद पर फिरेगा पानी

कोलकाता, (एजेंसी)। चुनाव में पांच सीट जीतकर कई राज्यों में चुनाव लड़ने का ऐलान करने वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम का चुनावी गणित बिगड़ गया है। पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनाव का बिगुल बज चुका है। पर अभी तक एआईएमआईएम ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। हालांकि, एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि वह सही वक्त पर रणनीति का खुलासा करेंगे। बिहार चुनाव में करिश्माई प्रदर्शन के बाद एआईएमआईएम को सबसे ज्यादा उम्मीद पश्चिम बंगाल में थी। बंगाल में करीब तीस फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। इनमें ज्यादातर बंगलाभाषी मुस्लिम है। ऐसे में असदुद्दीन ओवैसी फुरफुरा शरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी के इंडियन सेकुलर फ्रंट के साथ मिलकर पश्चिम बंगाल में एंट्री करना चाहते थे, पर आईएसएफ ने कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन के साथ चुनाव लड़ना बेहतर समझा। आईएसएफ के इस फैसले ने एआईएमआईएम की चुनाव रणनीति बिगाड़ दी है। चुनाव शुरू हो चुके हैं, ऐसे में एआईएमआईएम के पास बहुत ज्यादा विकल्प नहीं है। ओवैसी पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला करते हैं, तो उन्हें ज्यादा समर्थन मिलने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि बंगाल में हिन्दी या ऊर्दू भाषी मुस्लिम की तादाद कम है। चुनाव में भाजपा का प्रचार बेहद आक्रामक है, ऐसे में मुस्लिम मतदाता एकजुट होकर वोट कर सकते हैं। असम में मौलाना बदरुद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ चुनाव मैदान में है। ओवैसी पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि वह असम चुनाव नहीं लड़ेंगे। केरल में भी इंडियन यूनियम मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) है और उसका काफी असर भी है। ऐसे में ओवैसी के पास केरल में भी विकल्प सीमित हैं। पश्चिम बंगाल में आईएसएफ के कांग्रेस-लेफ्ट के साथ जाने के बाद लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तमिलनाडु में चुनाव लड़ने का ऐलान किया। तमिलनाडु में एआईएमआईएम ने पिछले विधानसभा चुनाव में भी किस्मत आजमाई थी।

मोदी की तारीफ से असंतुष्ट नेताओं के समूह में भी नाराजगी

कोलकाता, (एजेंसी)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बीच असंतुष्ट नेताओं की बयानबाजी को लेकर कांग्रेस के साथ खुद असंतुष्टों में नाराजगी है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले कई असंतुष्ट नेता गुलाम नबी आजाद के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करने से खुश नहीं है। उनका मानना है कि आजाद को इससे परहेज करना चाहिए। पश्चिम बंगाल में गठबंधन पर आनंद शर्मा के ट्वीट को भी कई नेता गैर जरूरी मानते हैं। असंतुष्ट नेताओं में शामिल कई नेताओं को पार्टी संगठन में जिम्मेदारी सौंप चुकी हैं। इनमे पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक शामिल हैं। इसके साथ अरविंदर सिंह लवली को कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की जिम्मेदारी संभालने वाले केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण का सदस्य बनाया गया है। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले 23 नेताओं में शामिल पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद पश्चिम बंगाल प्रभारी के तौर पर मजबूती से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। पार्टी ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण को असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन की जिम्मेदारी सौंपी है। ऐसे में साफ है कि पिछले कुछ दिनों में असंतुष्ट नेताओं का समूह कमजोर हुआ है। जम्मू में कुछ असंतुष्ट नेताओं के इकठ्ठा होने और उसके बाद प्रधानमंत्री की तारीफ से भी कई असंतुष्ट नेता नाराज हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री एम वीरप्पा मोइली साफ कर चुके हैं कि पत्र सीमित उद्देश्य के लिए था। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए एम वीरप्पा मोइली ने कहा कि चुनाव प्रचार के बीच पार्टी से संबंधित किसी भी विषय पर चर्चा करने का यह उपयुक्त समय नहीं है। इससे साफ है कि मोइली चुनाव प्रचार के बीच कुछ असंतुष्ट नेताओं की तरफ से जारी बयानबाजी से सहमत नहीं है। एक नेता ने बताया कि वरिष्ठ नेता पीजे कुरियन भी कुछ असंतुष्ट नेताओं की गतिविधियों से नाराज है। उनका कहना है कि हमें लक्ष्मण रेखा का पालन करना होगा।

असम में भाजपा और सहयोगी दलों के बीच सीट शेयरिंग पर बनी सहमति

नई दिल्ली, (संवाददाता)। आगामी असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा और उसके सहयोगी दलों, असम गण परिषद (अगप) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर समझौते को बुधवार को अंतिम रूप दे दिया गया। इसकी औपचारिक घोषणा गुरुवार को की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर बुधवार को इस सिलसिले में एक अहम बैठक में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, असम के मुख्यमंत्री सवार्नंद सोनोवाल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रंजीत दास, अगप के अध्यक्ष व राज्य सरकार के मंत्री अतुल बोरा, यूपीपीएल के प्रमुख प्रमोद बोरो, भाजपा नेता व मंत्री हेमंत विश्व सरमा भी मौजूद थे। वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 60 सीटों पर जीत मिली थी। वह शेष सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। असम विधानसभा में 126 सीटें हैं। पिछले चुनाव में बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने भाजपा और अगप के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था और उसने 12 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार में चुनाव में बीपीएफ ने कांग्रेस और एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन किया है। शाह के आवास पर चली संयुक्त बैठक के बाद भाजपा नेताओं की नड्डा के निवास पर अलग से बैठक हुई और उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई। उम्मीदवारों की पहली सूची पर भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति में गुरुवार को मंथन होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी इस बैठक में शामिल होने की संभावना है। असम में 27 मार्च से छह अप्रैल के बीच तीन चरणों में मतदान संपन्न होगा। पहले चरण के तहत राज्य की 47 विधानसभा सीटों पर 27 मार्च को, दूसरे चरण के तहत 39 विधानसभा सीटों पर एक अप्रैल और तीसरे व अंतिम चरण के तहत 40 विधानसभा सीटों पर छह अप्रैल को मतदान संपन्न होगा। नामांकन की आखिरी तारीख नौ मार्च है।

जोधपुर हाईकोर्ट के जस्टिस का सलमान की स्थानांतरण याचिका सुनने से इनकार

जोधपुर, (एजेंसी)। जोधपुर हाईकोर्ट के जस्टिस ने सलमान की स्थानांतरण याचिका सुनने से इनकार कर दिया है। सलमान ने काला हिरण शिकार तथा आर्म्स एक्ट मामले में जिला एवं सत्र जिला जोधपुर न्यायालय में चल रही सुनवाई को सीधे उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करवाने को लेकर अपने अधिवक्ता हस्तीमल सारस्वत के जरिये हाईकोर्ट में ट्रांसफर याचिका पेश कर रखी है। यह याचिका हाईकोर्ट जस्टिस विजय विश्नोई की कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी। लेकिन उन्होंने याचिका को सुनने से इनकार कर उसे अन्य बेंच में रेफर कर दिया है। हिरण शिकार मामले में ग्रामीण सीजेएम कोर्ट ने सलमान को 5 साल की सजा दी थी। कोर्ट ने मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया था। राज्य सरकार की ओर से सीजेएम कोर्ट के इस फैसले को राजस्थान उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। सलमान के अधिवक्ता हस्तीमल सारस्वत ने कोर्ट में याचिका पेश कर यह मांग की है कि क्योंकि सभी मामले एक ही प्रवृत्ति के हैं अतः इन सब की सुनवाई एक साथ की जाए। सलमान को सीजेएम ग्रामीण कोर्ट की ओर से सुनाई गई 5 साल की सजा के खिलाफ उन्होंने जिला एवं सेशन जिला जोधपुर कोर्ट में अपील पेश कर रखी है। वहीं सीजेएम ग्रामीण कोर्ट ने आर्म्स एक्ट मामले में सलमान को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया था। उसके खिलाफ सरकार की ओर से जिला एवं सेशन जिला जोधपुर कोर्ट अपील पेश की गई थी। दोनों मामले इसी कोर्ट लंबित हैं।

यदि सलमान के अधिवक्ता की याचिका स्वीकार कर इन सभी मामलों की सुनवाई राजस्थान उच्च न्यायालय में होगी इसके बाद ट्रायल कोर्ट के फैसले का इंतजार किए बिना मामला सीधा हाईकोर्ट में पहुंच जाएगा और सलमान को एक लंबी प्रक्रिया से राहत मिलेगी। यदि यह याचिका स्वीकार नहीं होती और जिला एवं सत्र जिला जोधपुर न्यायालय सीजेएम कोर्ट के फैसले को बरकरार रखता है, तब सलमान को एक बार फिर जेल जाना पड़ सकता है। उन्हें एक बार फिर जमानत करवानी पड़ सकती है। उसके बाद सलमान राजस्थान उच्च न्यायालय का रुख कर सकते हैं।

बंगाल में लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन को कम आंकना होगी बड़ी चूक

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के चुनावी समय में हालांकि तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच ही टक्कर नजर आ रही है, लेकिन क्या वास्तव में वाम-कांग्रेस गठबंधन मुख्य लड़ाई से बाहर है जानकारों का मानना है कि वाम-कांग्रेस गठबंधन को कम आंकना चूक होगी। वामपंथी दावा करते हैं कि वह सीधी टक्कर में हैं। यदि राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनाव की तुलना पिछले लोकसभा चुनाव के मतों के प्रतिशत से करते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है कि वामदलों के लिए ज्यादा संभावनाएं नहीं हैं। क्योंकि वामदल 10-11 फीसदी और कांग्रेस छह फीसदी से कम मतों पर सिमटकर रहे गए थे। दोनों ने लोकसभा चुनाव अलग-अलग लड़ा था। लेकिन यदि 2016 के विधानसभा चुनावों के मत प्रतिशत को देखते हैं तो चार वामपंथी दलों माकपा, भाकपा, आएसपी तथा फारवर्ड ब्लाक को 26 फीसदी मत मिले थे। जबकि कांग्रेस को 12 फीसदी वोट मिले। यानी तब वाम-कांग्रेस गठबंधन के हिस्से 38 फीसदी मत और 76 सीटें आई थीं। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों में जहां कांग्रेस और वामदलों के मत प्रतिशत में भारी गिरावट आई। वहीं विधानसभा चुनावों में 10 फीसदी मत पाने वाली भाजपा 40 फीसदी से अधिक पर पहुंच गई। दूसरी तरफ तृणमूल कांग्रेस अपने मत प्रतिशत को बचाने में कामयाब रही जो 44 फीसदी की बजाय 43 फीसदी रहा। वामदलों के हक में जाने वाली कुछ बातें हैं। वह कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं। इंडियन सेक्युलर फ्रंट का वाम गठबंधन के साथ जाना भी कुछ सीटों पर फायदेमंद हो सकता है। दूसरा यह लोकसभा नहीं विधानसभा चुनाव है जिसमें लोगों के सोचने का नजरिया बदलता है। हालांकि वामपंथी नेता सीताराय येचुरी कहते हैं कि पिछले पांच सालों के दौरान वामपंथी पार्टियां जमीनी स्तर पर कार्य कर रही हैं, इसलिए इस बार उनका वोट किसी और को ट्रांसफर नहीं होगा। येचुरी यह भी दावा करते हैं कि बंगाल में लड़ाई तृणमूल और भाजपा में नहीं बल्कि वाम-कांग्रेस गठबंधन की सीधी लड़ाई तृणमूल के साथ है। वे कहते हैं कि तृणमूल से नाराज लोगों ने पिछली बार भाजपा को वोट किया था। क्योंकि तब लोकसभा चुनाव थे लेकिन विधानसभा चुनावों में वाम-कांग्रेस को वोट देंगे क्योंकि वह विकल्प पेश कर सकते हैं।

नई दिल्ली। आनंद महिंद्र ने हाथी की पैंट-शर्ट और बेल्ट पहने एक तस्वीर ट्विटर पर पोस्ट की है जिसे उन्होंने एलीफेंट की जगह एली-पेंट नाम दिया है।

मुंबई से अच्छी फिल्म सिटी नोएडा में : राजू श्रीवास्तव

लखनऊ, (एजेंसी)। कॉमेडियन व यूपी फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष राजू श्रीवास्तव उर्फ गजोधर भइया ने राइजिंग यूपी के मंच पर अपने अंदाज में सभी को जमकर हंसाया। साथ ही राजनेताओं पर भी जमकर चुटकी ली। इस दौरान उन्होंने नोएडा में बनने वाली फिल्म सिटी को लेकर भी चर्चा की। राजू श्रीवास्तव ने कहा कि नोएडा में बनने वाली फिल्म सिटी मुंबई से भी बड़ी और अच्छी होगी। उन्होंने कहा कि फिल्म सिटी के लिए जमीन चिन्हित की जा चुकी है जल्द ही टेंडर भी हो जाएगा।

राजू श्रीवास्तव ने सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि आज यूपी में बहुत सुधार हो रहा है। हालांकि अभी और सुधार की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जो संकल्प ले लेते हैं उसे पूरा जरूर करते हैं।

‘डार्लिंग्स‘ के लिए फिर साथ आए शाहरुख और आलिया

‘डियर जिंदगी‘ के बाद शाहरुख खान और आलिया भट्ट एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दोनों ‘डार्लिंग्स‘ के साथ मां-बेटी की एक मजेदार कहानी को बयां करेंगे। लेकिन शाहरुख इस बार एक निर्माता का पदभार संभाल रहे हैं। वहीं, आलिया भी फिल्म की प्रोड्यूसर हैं। शाहरुख खान ने इस फिल्म की पहली झलक शेयर की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक छोटा-सा वीडियो शेयर कर फिल्म से जुड़ी जानकारी दी है। ‘डार्लिंग्स‘ की पहली झलक साझा करते हुए शाहरुख खान ने कैप्शन में लिखा, ‘जिंदगी कठिन है डार्लिंग्स, इसलिए तुम दोनों भी। इस दुनिया में डार्लिंग्स से रूबरू करा रहे हैं। सावधानी उचित है। ये कॉमेडी थोड़ी डार्क है।‘ इस वीडियो में ये भी लिखा है- ‘औरतों का अपमान करना आपकी सेहत के लिए बहुत हानिकारिक हो सकता है।‘ इस फिल्म को शाहरुख की कंपनी रेड चिलीज और एटरनल सनशाइन प्रोडक्शन प्रस्तुत कर रहे हैं। इसमें आलिया भट्ट, शेफाली शाह, विजय वर्मा और रोशन मैथ्यू नजर आएंगे। फिल्म को जसमीत के रीन निर्देशित करेंगी, जबकि प्रोड्यूसर गौरी खान, आलिया भट्ट और गौरव वर्मा हैं। ‘डार्लिंग्स‘ के साथ जसमीत के रेने बतौर निर्देशक डेब्यू कर रही हैं, जिन्होंने कई फिल्मों पर एसोसिएट डायरेक्टर और चीफ असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया है और ‘फोर्स 2‘, ‘फन्ने खान‘ व ‘पति पत्नि और वो‘ जैसी फिल्में लिख चुकी हैं। कहा जा रहा है कि यह मां-बेटी की एक प्यारी सी जोड़ी के बारे में एक अजीब कहानी है, जो जिंदगी में पागलपन से भरपूर परिस्थितियों से होकर गुजरती हैं, जिसे पर्दे पर आलिया और शेफाली ने निभाया है। यह मुंबई में एक मध्यम वर्गीय परिवार के जीवन पर आधारित है, जिसमें दो महिलाओं के जीवन को दर्शाया गया है, जहां उन्हें असाधारण परिस्थितियों में साहस और प्यार मिल जाता हैं। फिल्म की शूटिंग 2021 की पहली तिमाही में ही शुरू की जाएगी। फिल्म को इस साल रिलीज किए जाने की भी बात चल रही है।

मेरी मां ने मुझसे कहीं ज्यादा झेला है

बॉलीवुड की नई पीढ़ी की स्टार सारा अली खान ने खुलासा किया है कि कभी-कभी ऐसा होता है, जब वह सकारात्मक महसूस नहीं करती हैं। ऐसे समय में उनकी मां और बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता सिंह ही वह इंसान होती हैं, जो उनकी सारी समस्याएं सुलझा देती हैं। अभिनेत्री अमृता सिंह और अभिनेता सैफ अली खान की बेटी सारा ने आईएएनएस को बताया, ‘‘कई दिन ऐसे होते हैं जब मैं सकारात्मक महसूस नहीं करती हूं। यह सामान्य बात है और यह सब जीवन का हिस्सा है। तब मुझे लगता है कि मेरे पास एक महान मां है और वो मेरी हर समस्या का हल है। उनके जैसी मां होने के बाद यह संभव ही नहीं है कोई सकारात्मक न रहे।‘‘ वह आगे कहती हैं, ‘‘मुझे लगता है कि मेरे मुकाबले उन्होंने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ झेला है। यदि वह इस रास्ते पर सिर ऊंचा करके चल सकती हैं और उनकी बेटी भी ऐसा ही करे तो मैं भी आपकी प्रशंसा पाने के योग्य हो जाऊंगी।‘‘ काम को लेकर बात करें तो सारा की हाल ही में फिल्म ‘कुली नं 1‘ डिजिटली रिलीज हुई थी। अब वे ‘अतरंगी रे‘ में अक्षय कुमार, धनुष और निमरत कौर के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और फिल्म हिमांशु शर्मा ने लिखी है।

इंसानों से ज्यादा जानवरों संग सहज हूं

अभिनेत्री अदा शर्मा का कहना है कि इंसानों से ज्यादा उन्हें जानवरों से घिरे रहना पसंद है। अदा आगे कहती हैं कि ये बिल्कुल भी जटिल नहीं होते हैं और इनके साथ भावनाओं को साझा करना आसान रहता है। अदा ने आईएएनएस को बताया, ‘‘मैं हमेशा से ही इंसानों से ज्यादा जानवरों संग सहज महसूस करती हूं। मुझे पार्टी में जाना या अनजान लोगों के बीच में रहना पसंद नहीं है। लेकिन इसी जगह मुझे किसी जंगल में छोड़ आइए, मुझे घर जैसा महसूस होगा। जानवर जटिल नहीं होते हैं और इनसे घुलना-मिलना भी आसान होता है। वे क्षण में अपनी जिंदगी को जीते हैं।‘‘ अदा ने हाल ही में एक घायल पंछी को रेस्क्यू कर उसे ट्विटर का नाम दिया। हैदराबाद के पास स्थित एक जंगल के पेड़ में से गिरकर यह पक्षी चोटिल हो गई थी। अदा यहां अपने अगले प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रही थीं और इसी दौरान उन्होंने इसे बचाया। अभिनय की बात करें, तो अदा हाल ही में अभिनेत्री अनुप्रिया गोएनका संग शॉर्ट फिल्म ‘चूहा बिल्ली‘ में नजर आईं। उन्होंने पांच नई तेलुगू फिल्मों को साइन करने की बात कही है।

मेरे पास ऐसा कोई नहीं है, जिसे मैं कॉल या मैसेज करूं

अभिनेत्री निधि अग्रवाल का कहना है कि वह जब भी अपने दोस्तों के साथ बाहर जाती हैं, तो वे खासी एहतियात बरतती हैं। वह नहीं चाहती हैं कि उनके बारे में कयास लगाए जाएं कि वह किसे डेट कर रही हैं। निधि ने कहा, ‘‘पेपराज्जी द्वारा मुझे स्पॉट करने की कुछ घटनाओं के बाद अब मैं बहुत सावधानी बरतती हूं। यहां तक कि अपने दोस्त के साथ डिनर पर जाते हुए भी मैं बहुत एहतियात बरतती हूं। मैं नहीं चाहती हूं कि मुझे लेकर अफवाहें उड़ें या किसी के साथ मेरा बेवजह नाम जोड़ा जाए।‘‘ अभिनेत्री इस समय तेलगु सुरपस्टार पवन कल्याण के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म कर रही हैं। वह कहती हैं, ‘‘मेरी जिंदगी शानदार है। मैं लगातार ट्रैवल कर रही हूं। मैं पूरी तरह सिंगल हूं। मेरे पास ऐसा कोई नहीं है, जिसे मैं मैसेज करूं या कॉल करूं। कई बार जब मैं दूसरों को फोन पर देखती हूं, तो मैं सोचती हूं कि मैं किसे मैसेज करूं।

अपने किरदार को परफेक्ट बनाने के लिए ‘क्यों उत्थे दिल छोड़ आए‘ के जान खान ने किया यह काम

कलाकार जब भी कोई रोल निभाते हैं, तो उस किरदार में उतरने के लिए जी जान लगा देते हैं। इतना ही नहीं, अपने किरदार को विश्वसनीय दिखाने के लिए वो अक्सर एक कदम आगे बढ़कर कोशिश करते हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो ‘क्यों उत्थे दिल छोड़ आए‘ में रणधीर का रोल निभा रहे एक्टर जान खान ने भी कुछ ऐसा ही किया है। इस रोल के लिए जान खान ने अपनी मूंछे बढ़ाई हैं, जो उनके सामान्य लुक से बिल्कुल अलग है। वैसे, जान अपने चॉकलेटी बॉय लुक्स के लिए जाने जाते हैं, लेकिन जब इस शो के लिए उन्हें रणधीर का किरदार सुनाया गया और जब उन्हें पता चला कि इस रोल के लिए उन्हें मूंछ रखनी होगी, तो वो पहले थोड़े झिझक रहे थे, क्योंकि इससे पहले उन्होंने कभी मूंछे नहीं रखी थीं। जब इस शो के मेकर्स ने उन्हें समझाया, तो वो अपने लुक के हिसाब से मूंछ रखने के लिए तैयार हो गए। हालांकि अपने लुक को ज्यादा विश्वसनीय बनाने के लिए उन्होंने नकली मूंछ लगाने की बजाय असली मूंछे उगाईं। अपने इस बदलाव के बारे में बताते हुए जान कहते हैं, मैंने पहली बार मूंछ रखी है। हालांकि लुक टेस्ट के दौरान मुझ पर अलग-अलग मूंछे आजमाई गईं, लेकिन फिर भी एक परफेक्ट लुक नहीं आ रहा था। यह भी एक वजह है, जिसके लिए मैंने असली मूंछ उगाने का सोचा। जान ने कहा, इससे रियल लाइफ में भी मेरा लुक बदल गया है। मुझे कहना होगा कि मुझे अपना यह नया लुक वाकई अच्छा लग रहा है। अपने इस किरदार में जान डालने के लिए मैंने एक इत्र भी खरीदा है, जिसकी खुशबू किसी परफ्यूम को भी मात दे सकती है। यह बहुत बढ़िया है।

‘हेलन‘ के हिन्दी रीमेक में सनी कौशल के साथ नजर आ सकती हैं जाह्नवी कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के पास इन दिनों कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। जनवरी में एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म ‘गुड लक जेरी‘ की शूटिंग शुरू की थी। वे इन दिनों अपनी फिल्म ‘रूही‘ के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसके अलावा जाह्नवी कपूर ‘दोस्ताना 2‘ में भी नजर आने वाली हैं। अब ताजा खबरों की माने तो जाह्नवी कपूर एक और फिल्म में नजर आ सकती हैं। खबर है कि एक्ट्रेस बहुत जल्द एक मलयालम फिल्म ‘हेलेन‘ के हिन्दी रीमेक में सनी कौशल के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग जून में शुरू करने वाली हैं। बताया जा रहा है कि इस रीमेक की शूटिंग उत्तर भारत में होनी है, जहां निर्देशक मथुकुट्टी जेवियर के साथ-साथ डीओपी और उनकी टीम के बाकी सदस्य वर्तमान में उपयुक्त स्थानों के लिए स्काउटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में जाह्नवी और सनी के अलावा मनोज पाहवा भी नजर आएंगे। जो फिल्म में जाह्नवी के पिता का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म के निर्माता जी स्टूडियो और बोनी कपूर खुद होने वाले हैं। साउथ में हेलेन को खूब प्यार मिला था। कुछ ऐसी ही उम्मीद करके बॉलीवुड में भी इस फिल्म को बनाया जा रहा है। वर्क फ्रंट कि बात करें तो जाह्नवी आखिरी बार फिल्म ‘गुंजन सक्सेना द कारगिल गर्ल‘ नजर आई थी। इस फिल्म में भले एक्ट्रेस दमदार रोल में नजर आईं हों लेकिन फिर भी फिल्म को कोई खास सफलता नहीं मिली थी। एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह करण जौहर की पीरियड ड्रामा तख्त, हॉरर कॉमेडी रूही और कार्तिक आर्यन के साथ दोस्ताना 2 में नजर आने वाली हैं।

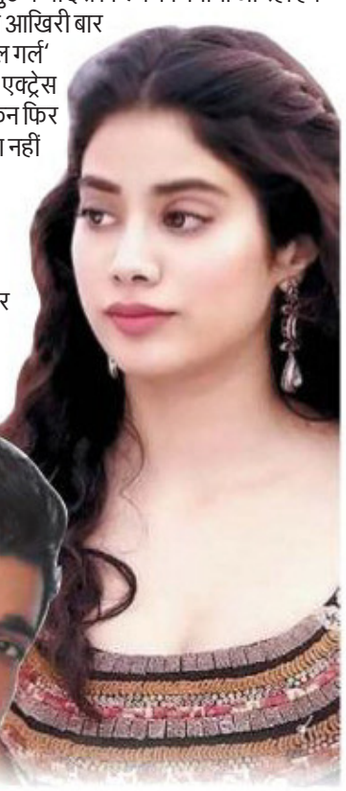

डस्ट वैश्विक अपील के साथ एक देसी फिल्म है

विनय पाठक अभिनीत फिल्म ‘डस्ट‘ को डिजीटली जारी कर दिया गया है। अभिनेता को इस बात पर बेहद गर्व है कि साल 2019 में जब प्रतिष्ठित बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में उदिता भार्गव द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को प्रसारित किया गया, तब लोगों ने इसे किस कदर पसंद किया। विनय पाठक ने कहा, ‘‘मुझे बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को दिखाए जाने की बात अब भी याद है। यहां मुझे, उदिता और उनके माता-पिता को छोड़कर सभी अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों ने कहानी के प्रति जिस तरह से अपनी प्रतिक्रियाएं दीं, वह अभिभूत कर देने वाला रहा। ‘डस्ट‘ वैश्विक अपील के साथ एक देसी फिल्म है और शायद इसी वजह से लोगों को यह फिल्म इतनी पसंद आई।‘‘ फिल्म की कहानी डेविड नामक एक जर्मन युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पेशे से फोटो जर्नलिस्ट अपनी इंडियन गर्लफ्रेंड मुमताज की मौत के बाद इंदौर के अपने सफर पर आता है। वह मुमताज के मरने से पहले की गतिविधियों और उस इलाके में रहने वाले नक्सलियों के विद्रोह पर मुमताज के डॉक्यूमेंटेशन को परखता है।

विश्वास नहीं होता मैं जीन से एक दशक पहले मिली थी

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोमवार को अपनी शादी की पांचवी सालगिरह पर सोशल मीडिया पर पति को याद करते हुए एक पोस्ट किया। अभिनेत्री 29 फरवरी 2016 को जीन गुडइनफ के साथ शादी के बंधन में बंधी थी। शादी लॉस एंजिल्स में एक निजी समारोह में हुई थी। हालांकि शादी 2016 में हुई थी, लेकिन प्रीति के नए सोशल मीडिया पोस्ट से यह जाहिर होता है कि यह जोड़ी 2011 से डेटिंग कर रही थी, जहां वह एक साथ एक दशक देखने की बात करती है। उन्होंने लिखा, ‘‘हैप्पी एनिवर्सरी माई लव। इस पर विश्वास नहीं हो रहा है कि हमने एकसाथ एक दशक गुजारा है। समय कैसे उड़ता है .मिस यू .काश आप यहां होते।‘‘ प्रीति अक्सर अपने पति के लिए रोमांटिक संदेशों को सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। वह अक्सर उन्हें ‘पति परमेश्वर‘ कहकर संदर्भित करती हैं।

ड्रामा फिल्म ‘सिया‘ में मुख्य भूमिका निभाएंगे विनीत कुमार

विनीत कुमार एक ऐसे एक्टर हैं, जिन्हें हर एक भूमिका को गहराई से निभाने के लिए जाना जाता है। वे शुरुआती मोड से लेकर शूटिंग के पोस्ट प्रोडक्शन तक के फेज को शानदार तरीके से निभाना जानते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें फिल्म निर्माण की दुनिया के बारे में व्यापक ज्ञान है। इसलिए, जब सोशल ड्रामा फिल्म ‘सिया‘ की स्क्रिप्ट सामने आई, तो विनीत कुमार सही तरह से जानते थे कि यह एक भूमिका किस तरह निभाना है। विनीत जल्द ही फिल्म ‘सिया‘ के उत्तर प्रदेश और दिल्ली में होने वाले पहले शेड्यूल के लिए रवाना होंगे। फिल्म को मनीष मुंद्रा द्वारा डायरेक्ट किया है, जो पहले कई बॉलीवुड फिल्म्स, जैसे- आंखों देखी, मसान, कड़वी हवा, न्यूटन और भी कई अन्य को प्रोड्यूस कर चुके हैं। मनीष और मुक्काबाज फेम विनीत ने ‘आधार‘ और इंटरनेशनल अवॉर्ड लेने वाली फिल्म ‘ट्रीस्ट विद डेस्टिनी‘ में एक साथ काम किया है, जिसमें मनीष उन फिल्म्स के प्रोड्यूसर थे। हालांकि, ‘सिया‘ डायरेक्टर तथा एक्टर के रूप में उनका पहला कोलेबरेशन है और संयोग से यह मनीष का डायरेक्टोरियल डेब्यू भी है। वर्क फ्रंट की बात करें तो विनीत की ‘आधार‘ को मई में थिएट्रिकल रिलीज किया जाएगा, और इसके साथ ही सभी विनीत को स्क्रीन पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में कप्तान जो रुट को भारतीय टीम के गेंदबाज मो सिराज ने आउट किया।

विराट ने रोटेशन नीति को सही बताया

अहमदाबाद, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने खिलाड़ियों को आराम देने के लिए बनी रोटेशन नीति का समर्थन किया है। विराट ने कहा है कि कोरोना महामारी के इस दौर में खिलाड़ियों को जैव सुरक्षा घेरे (बाये बबल) में रहना पड़ रहा है जिससे उन्हें मानसिक थकान हो रही है, ऐसे माहौल में रोटेशन नीति बिलकुल सही है। भारतीय कप्तान ने कहा है कि कड़े क्वारंटीन को देखते हुए मानसिक थकान के कारण खिलाड़ियों को तरोताजा होने के लिए आराम जरुरी है। मेहमान टीम इंग्लैंड भारत के अपने इस दौरे में रोटेशन नीति पर अमल कर रही है हालांकि उसी के कई पूर्व खिलाड़ियों केविन पीटरसन और माइकल वॉन ने इसकी आलोचना की थी। कोहली का मानना है कि जब तक खिलाड़ी जैविक रूप से सुरक्षित माहौल का हिस्सा हैं, तब तक बीच-बीच के ब्रेक मिलना गलत नहीं है। कोहली ने कहा, बायो बबल में जिस तरह नियमों का पालन करना पड़ता है, उससे चीजें कभी कभी काफी नीरस हो जाती हैं और छोटी चीजों को लेकर अपने को उत्साहित रखना बेहद मुश्किल होता है।

वर्ष 2020 में कोरोना वायरस महामारी के कारण ब्रेक के बाद सभी टूनार्मेंट जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खेले जा रहे हैं। कोहली ने कहा, मुझे लगता है कि खेल का कोई भी प्रारूप ब्रेक के लिए सही है। कोई भी इंसान पूरे साल इतने सारे मैच नहीं खेल सकता। सभी को ब्रेक के लिए समय की जरूरत है। कोहली ने हालांकि कहा कि रोटेशन नीति की सफलता के लिए मजबूत बेंच स्ट्रैंथ बेहद जरूरी है। साथ ही कहा कि उन्हें खुशी है कि इस मामले में भारत किसी से पीछे नहीं है। उन्होंने कहा, हमारी बेंच स्ट्रैंथ कहीं अधिक अहम है क्योंकि अगर आपके पास ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनमें भूख है, जो तैयार हैं, जो समझते हैं कि खेल किस तरफ जा रहा है और उनमें मौकों का फायदा उठाने का साहस है तो फिर हम आसानी से खिलाड़ियों को रोटेट कर सकते हैं।

वापसी में जल्दबाजी का फैसला नुकसानदेह रहा : वार्नर

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने माना है कि भारत के खिलाफ श्रृंखला में खेलने के लिए उन्होंने पूरी तरह फिट हुए बिना ही खेलने की जो गलती की है। उससे उन्हें नुकसान उठना पड़ा है। वार्नर के अनुसार इस कारण उनका रिहैबिलिटेशन का समय लंबा हो गया। भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान ग्रोइन की चोट के कारण वार्नर पहले 2 टेस्ट में नहीं खेल पाए थे पर सिडनी और ब्रिसबेन में हुए अंतिम 2 टेस्ट खेले थे। वार्नर ने कहा, मैंने उन टेस्ट मैचों में खेलने का फैसला किया, मैंने महसूस किया कि मुझे वहां होना चाहिए और साथी खिलाड़ियों की मदद करनी चाहिए। पीछे मुड़कर देखता हूं तो शायद मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था, जहां तक चोट का सवाल है तो मुझे थोड़ा नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, अगर मैं अपने बारे में सोच रहा होता तो शायद मैं मना कर देता लेकिन मैंने वह किया जो मुझे टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ लगा और मुझे लगा कि मेरा पारी का आगाज करना टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ रहेगा। वार्नर ने कहा कि उनकी चोट काफी बुरी थी और उन्होंने इससे पहले कभी इस तरह महसूस नहीं किया था। वार्नर को अब इंडियन प्रीमियर लीग में खेलना है जहां वह सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया को सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करना है लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है और वार्नर को इसके बाद जुलाई-अगस्त में इंग्लैंड में हंड्रेड सीरीज में भी खेलना है।

पीएसएल में खेल रहे बैंटन , फवद पॉजिटिव पाये गये

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) में खेल रहे इंग्लैंड के टॉम बैंटन सहित दो विदेशी खिलाड़ी कोरोना संक्रमण की जांच में पॉजिटिव पाये गये हैं। बैंटन ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट के जरिये उन्हें पृथकवास में रखे जाने की पुष्टि की है। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मीडिया निदेशक समी बर्ने ने कहा था कि दो विदेशी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टॉफ के एक सदस्य को कोविड वायरस की जांच में पॉजिटिव पाया गया था। वहीं ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर फवद अहमद भी कोरोना संक्रमित पाये गए थे। बर्ने ने दोनों खिलाड़ियों और सहयोगी स्टॉफ के सदस्य के नाम का खुलासा नहीं किया था पर बैंटन ने ट्वीट कर इसकी पुष्टि की है। बैंटन ने ट्वीट किया, बदकिस्मती से मैं कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आया और अब मैं पृथकवास में हूं और पीएसएल प्रोटोकॉल का पालन कर रहा हूं। अच्छी बात है कि अभी तक मुझे कोई लक्षण नहीं हैं, मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं इससे पहले पीसीबी को पीएसएल के दौरान बायो-बबल (जैव-सुरक्षित) प्रोटोकॉल को ठीक से बनाए रखने में नाकाम रहने के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में इसके लिए पीसीबी को जिम्मेदार ठहराया गया है हालांकि बोर्ड ने हालांकि साफ किया कि टूनार्मेंट को कार्यक्रम के मुताबिक 22 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया, पृथकवास अवधि को पूरा किये बिना कुछ खिलाड़ियों के परिवारों को जैव सुरक्षित माहौल में जाने दिया गया। वहीं एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया,

मेक्सिको में एकसाथ खेलते नजर आयेंगे बोपन्ना-कुरैशी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत के रोहन बोपन्ना और पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरैशी 15 मार्च से मेक्सिको में खेले जाने वाले अकापुल्को एटीपी 500 में टेनिस कोर्ट पर एकसाथ खेलते नजर आयेंगे। बोपन्ना और कुरैशी छह साल के बाद फिर साथ नजर आयेंगे। इससे पहले यह जोड़ी 2014 शेनजेन एटीपी 250 प्रतियोगिता में एक साथ खेली थी। इस जोड़ी की सबसे बड़ी सफलता 2010 में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचना था, जहां उन्हें ब्रायन बंधुओं की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा था। बोपन्ना उस समय अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग तीसरे स्थान तक पहुंचे थे बोपन्ना ने इसके बाद 2012 ओलंपिक की तैयारियों के लिए दिग्गज महेश भूपति के साथ जोड़ी बनाकर खेलने का फैसला किया। भारत और पाकिस्तान के 40 बरस के इन खिलाड़ियों की जोड़ी फिलहास सिर्फ एक टूनार्मेंट में साथ खेलेगी। कुरैशी ने कहा कि अभी हम सिर्फ मैक्सिको में खेलने के लिए एक साथ आ रहे हैं। अभी तक हमने भविष्य के बारे में बात नहीं की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह एक लंबी अवधि की व्यवस्था हो सकती है, कुरैशी ने कहा कि उम्मीद है, अगर यह अच्छी तरह से चलता है तो हम भविष्य में साथ में और अधिक टूनार्मेंट खेल सकते हैं। वे वास्तव में दुबई ड्यूटी फ्री चैंपियनशिप में एक साथ प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनकी योजना सफल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हमने ऑस्ट्रेलिया में एक साथ बहुत समय बिताया। हम दुबई में खेलने की योजना बना रहे थे। उसे एक जोड़ीदार की जरूरत थी और मुझे भी एक जोड़ीदार की जरूरत थी। इसलिए हमने सोचा कि चलो दुबई ओपन के लिए टीम बनाई जाए, दुर्भाग्य से हम इसके लिए क्वालीफाई नहीं कर सकें। हमारी संयुक्त रैंकिंग उस स्तर की नहीं थी।उन्होंने कहा कि लेकिन हम अकापुल्को में जगह बनाने में सफल रहे। मैं बहुत उत्साहित हूँ। उम्मीद है, हम एक साथ अच्छा खेलेंगे और यह सफल रहेगा। तब हम कुछ और टूनार्मेंट एक साथ खेलने का फैसला कर सकते हैं, लेकिन फिलहाल हम सिर्फ इसी टूनार्मेंट के लिए साथ आये है।

बार्सिलाना में कोपा डेल रे मुकाबले में खेलते हुए फुटबॉलर।

एक ओवर में 6 छक्के मारने वाले तीसरे खिलाड़ी बने पोलार्ड

एंटिगुआ, (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के कप्तान कायरन पोलार्ड ने श्रीलंका के साथ यहां पहले टी20 क्रिकेट मैच में लगातार छह छक्के लगाकर एक अहम उपलब्धि हासिल करने के साथ ही अपनी टीम को जीत भी दिलायी है। पोलार्ड ने 11 गेंदों में शानदार 38 रन की पारी खेली। इस मैच में मेजबान टीम वेस्टइंडीज ने चार विकेट से आसान जीत भी दर्ज की। पोलार्ड ने अकीला धनंजय के एक ओवर में छह छक्के लगाकर युवराज और गिब्स के रिकॉर्ड की बराबरी की। युवराज और गिब्स दोनों के ही नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने का रिकार्ड है। युवराज ने टी20 और गिब्स ने एकद दिवसीय में यह रिकॉर्ड बनाया था। पोलार्ड ने विंडीज की पारी के पांचवें ओवर में यह छक्के लगार रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। पोलार्ड ने युवराज के टी20 इंटरनेशनल में छह छक्के लगाने के 14 साल बाद इस रिकॉर्ड की बराबरी की है। पोलार्ड की इस शानदार पारी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड भी मिला। पोलार्ड जब बल्लेबाजी के लिए आए, तब वेस्टइंडीज की टीम ने अपने चार अहम बल्लेबाज खो दिये थे पर अपनी आतिशी पारी से इस बल्लेबाज ने मैच का रुख पलट दिया। ।

इसी के साथ कायरन पोलार्ड इंटरनेशनल क्रिकेटर में एक ओवर में 6 छक्के मारने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के का रिकार्ड सबसे पहले पूर्व भारतीय ऑलरांउडर युवराज ने बनाया था। साल 2007 में युवराज सिंह ने 2007 के आईसीसी वर्ल्ड टी 20 में इंग्लैंड के गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में लगातार छह छक्के लगाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज गिब्स ने भी साल 2007 के एकदिवसीय विश्व कप में इस कारनामे को अंजाम दिया था। गिब्स ने नीदरलैंड के गेंदबाज डान वैन बुंगे के एक ओवर की सभी 6 गेंदों पर छक्के लगाए थे। वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच हुए पहले मैच में श्रीलंकाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 131 रन बनाए और वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए 132 रनों का लक्ष्य रखा। जिसे मेजबानों ने 13.1 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाकर हासिल कर लिया।

युवराज ने पोलार्ड को बधाई दी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने एक ही ओवर में छह छक्के लगाने के लिए वेस्टइंडीज के कप्तान कायरन पोलार्ड को बधाई दी है। युवराज ने पोलार्ड को ट्वीट किया और कहा, छह सिक्स लगाने के क्लब में शामिल होने पर बधाई एक शानदार पारी। बता दें कि इस पारी के बाद पोलार्ड इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ही ओवर में छह छक्के लगाने वाले तीसरे क्रिकेटर बन गए हैं। उनसे पहले युवराज और दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स एक ही ओवर में छह छक्के लगाने का कारनामा कर चुके हैं। पोलार्ड ने श्रीलंका के साथ यहां पहले टी20 क्रिकेट मैच में लगातार छह छक्के लगाकर एक अहम उपलब्धि हासिल करने के साथ ही अपनी टीम को जीत भी दिलायी है। पोलार्ड ने 11 गेंदों में शानदार 38 रन की पारी खेली। पोलार्ड ने श्रीलंकाई स्पिनर अकीला धनंजय के एक ही ओवर में छह छक्के लगाये। धनंजय के लिए यह दिन खुशी और गम दोनों लेकर आया, क्योंकि उन्होंने इस मैच में हैट्रिक भी हासिल की और छह छक्के भी उनपर लगे। पोलार्ड इस मैच में 11 गेंद पर 38 रन बनाकर आउट हुए और वेस्टइंडीज को चार विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई।

पीएसएल में बढ़ रही संक्रमित खिलाड़ियों की संख्या

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कोरोना संक्रमितों की तादाद बढ़ रही है। अब तीन और क्रिकेटर पॉजिटिव पाये गये हैं। क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरूवार को अपने एक बयान में कहा है कि दो टीमों के तीन और खिलाड़ी संक्रमित पाये गए हैं। ये सभी दस दिनों तक पृथकवास में रहेंगे। इससे अब संक्रमितों की कुल तादाद बढ़कर छह हो गयी है। पीसीबी ने कहा , ये तीन खिलाड़ी बुधवार को हुए पीएसएल के दोनो मैचों में शामिल नहीं थे। इन्हें लक्षण पाये जाने के बाद जांच के लिये भेजा गया था। पीसीबी ने कहा , पीएसएल छह की आयोजन समिति टीम मालिकों और प्रबंधन के साथ एक ऑनलाइन बैठक करेगी जिसके बाद ही आगे की जानकारी दी जायेगी।

मोटेरा के फ्लॉप शो के बाद पिंक बॉल की चमक को कम करने पर काम कर रही कंपनी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत और इंग्लैंड के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का तीसरा मैच पिंक गेंद से नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था। यह डे-नाइट टेस्ट मैच महज दो दिन से भी कम वक्त में खत्म हो गया था। क्रिकेट दिग्गजों ने इस मैच के बाद जमकर आलोचना की थी। वहीं, विशेषज्ञों का कहना है कि पिंक बॉल से खेलना सहज नहीं है। खासतौर पर लाइट्स में। अब पिंक बाल निमार्ता ने इस बात का खुलासा किया है कि वे गेंद की चमक को कम करने के लिए काम कर रहे हैं। एसजी के मार्केटिंग निदेशक पारस आनंद ने कहा, हमने इस पर पहले ही काम शुरू कर दिया है। नई तकनीक गेंद के रंग को बरकरार रखेंगी और उसकी चमक को कम करेंगी, जिसका परिणाम होगा कि गेंद तेजी से मूव करेगी। यह काम चल रहा है। गौरतलब है कि अहमदाबाद में भारत ने मेहमान टीम इंग्लैंड को दो दिन में ही 10 विकेट से पराजित कर दिया था। इंग्लैंड ने पहली पारी में 112 और दूसरी में 81 रन बनाए थे। इस मैच में स्पिनर्स पूरी तरह से बल्लेबाजों पर भारी पड़े थे। रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल ने अहमदाबाद में काफी प्रभावित किया था। इन दोनों ने मैच कुल मिलाकर 18 विकेट झटके थे। वहीं, इससे पहले दोनों टेस्ट मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए थे। पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड ने 227 रन से जीता था। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने शानदार वापसी करते हुए 317 रनों से जीत हासिल की थी। भारत फिलहाल सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है। सीरीज का चौथा और अंतिम मैच 4 मार्च से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। अहमदाबाद में पिंक बॉल टेस्ट को लेकर पारस आनंद ने कहा, यह फीडबैक हमें नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट के बाद नहीं मिला था, लेकिन अब यह मसला उठा है तो हम बीसीसीआई से भी इस बारे में बातचीत करेंगे। लेकिन हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया है कि कैसे इस समस्या को सुलझाया जा सकता है। हम कोशिश कर रहे हैं कि गेंद की चमक कम हो और उसका रंग उपयुक्त हो।

नीदरलैंड में जर्मनी के एलेकजेंडर जेवरेव एबीएन एमरों टेनिस मुकाबले में खेलते हुए।

स्टेन ने आईपीएल को लेकर दिये बयान के लिए माफी मांगी

लाहौर, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को लेकर दिये अपने विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी है। स्टेन ने अपने बयान में कहा था कि आईपीएल से अधिक सम्मान पाक क्रिकेट लीग (पीएसएल) में मिलता है। साथ ही यह भी कहा था कि आईपीएल में ध्यान क्रिकेट नहीं बल्कि पैसे पर रहता है जबकि पीएलएल में खेल पर नजरें रहती हैं। स्टेन ने माफी मांगते हुए कहा कि उनका इरादा आईपीएल को नीचा दिखाना औ अपमान करना नहीं था। सोशल मीडिया में उनके बयान को गलत तरह से पेश किया जिससे उसका मतलब ही बदल गया। स्टेन आजकल पीएसएल में क्वेटा ग्लैडिएटर्स टीम की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल में बड़े नाम और ज्यादा पैसे के कारण कई बार क्रिकेट से ध्यान हट जाता है। स्टेन आईपीएल 2020 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का हिस्सा रहे थे लेकिन, टीम ने उन्हें बरकरार नहीं रखा। स्टेन के पास इस बार नीलामी में शामिल होने का मौका था पार उन्होंने ऐसा नहीं किया।

स्टेन ने ट्वीट किया, मेरे करियर में आईपीएल शानदार रहा, अन्य खिलाड़ियों के लिए भी मेरा इरादा कभी इसे नीचा दिखाने, अपमान करने या किसी अन्य लीग से तुलना करने का नहीं था पर सोशल मीडिया ने बात का बतंगढ़ बना दिया। उन्होंने कहा, अगर मैंने इससे किसी को निराश किया है तो मैं इसके लिए काफी मांगता हूं।

वरुण के बाद तेवतिया भी फिटनेस टेस्ट में फेल हुए, टी20 सीरीज में खेलने पर संशय

मुम्बई, (एजेंसी)। युवा ऑलराउंडर राहुल तेवतिया इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 क्रिकेट सीरीज से पहले फिटनेस टेस्ट में विफल रहे हैं। ऐसे में तेवतिया का इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलना संदेह के घेरे में है। तेवतिया को पहली बार टीम इंडिया में चुना गया था पर डेब्यू से पहले ही उनके फिटनेस टेस्ट में विफल होने से टीम को करारा झटका लगा है। तेवतिया अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी फिटनेस टेस्ट में नाकाम रहे थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार वरुण और तेवतिया फिटनेस टेस्ट के लिए तय बेंचमार्क को पूरा नहीं कर पाए। गौरतलब है कि भारतीय टीम में शामिल खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट पास करने के लिए यो-यो टेस्ट में 17.1 का स्कोर या 8 मिनट 30 सेकेंड में दो किलोमीटर की दौड़ पूरी करनी होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार तेवतिया और वरुण को एक बार फिर से अपनी फिटनेस साबित करने का अवसर मिलेगा पर अगर दूसरी बार भी वे फिटनेस टेस्ट में फेल हो जाते हैं तो फिर उनका इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में खेलना बेहद संभव नहीं होगा। गौरतलब है कि खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए बोर्ड ने अपने फिटनेस बेंचमार्क में बदलाव किए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच 12 मार्च से अहमदाबाद में नए बने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 सीरीज खेली जाएगी। सभी 5 मैच इसी मैदान पर ही खेले जाएंगे.

चक्रवर्ती के साथ पांच महीने में दूसरी बार होगा जब वो टीम इंडिया से बाहर होंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उन्हें टीम इंडिया में चुना गया था पर चोटिल होने के कारण वह टीम से बाहर हो गए थे। वरुण ने पिछले सीजन में केकेआर के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें टीम इंडिया में जगह मिली थी।